दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-14, अंक -05 जबलपुर, शनिवार 01 फरवरी 2025 कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

देश ने देखा कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार, यह आदिवासी भाई-बहनों का अपमान, राष्ट्रपति पर दिए सोनिया गांधी के बयान पर बोले पीएम मोदी

भारत बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली. (आरएनएस)। संसद का बजट सत्र 2025 आज से शुरू हुआ, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने अभिभाषण की शुरुआत में संविधान को अंगीकार किए जाने के 75 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे पर गहरा दुख जताया और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने प्रशासन को इस घटना की गहन जांच के निर्देश देने पर भी जोर दिया।

राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि भारत तेजी से दुनिया की तीसरी सबसे बडी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि सरकार की नीतियों के कारण देश में गरीबों को सम्मानजनक जीवन मिला है और मध्यम वर्ग के सपनों को नए आयाम मिले हैं। सरकार का संकल्प है सबका साथ, सबका विकास और इसके तहत हर नागरिक को आवास, शिक्षा और रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रपति ने महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार महिला नेतृत्व वाले विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत की बेटियां लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, कॉर्पोरेट जगत में नेतृत्व कर रही हैं और खेलों में देश का नाम रोशन कर रही हैं। युवाओं के रोजगार के अवसरों को लेकर उन्होंने बताया कि स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया योजनाओं के तहत लाखों युवाओं को नौकरियां मिली हैं। इसके अलावा, एक करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया गया है ताकि उन्हें व्यावहारिक अनुभव मिल सके।

राष्ट्रपति ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि जल्द ही गगनयान मिशन के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में कदम रखेंगे। इसके साथ ही इसरो के सफल

राष्ट्रपति को सोनिया ने बेचारी कहा-राहुल ने बोरिंग

नई दिल्ली-(आरएनएस)। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का आज पहला दिन था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के जॉइंट सेशन में 59 मिनट का अभिभाषण दिया। उनके इस अभिभाषण पर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणी पर विवाद हो गया। सोनिया गांधी ने द्रौपदी मुर्मू के लिए बेचारी शब्द इस्तेमाल किया। वहीं राहुल ने भाषण को बोरिंग बताया। भाजपा ने इसे आदिवासी समाज का अपमान बताया और माफी की मांग की। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा कि राष्ट्रपति के लिए ऐसे बयान गरीबों और आदिवासियों का अपमान है। वहीं राष्ट्रपति भवन के प्रेस सेक्रेटरी ने भी सोनिया गांधी के बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा- विपक्षी सांसदों का बयान दुर्भाग्यपूर्ण और राष्ट्रपति की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने शुक्रवार को संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन पर अपनी प्रतिक्रिया देकर विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं...वह मुश्किल से बोल पा रही थीं, बेचारी।'' अब सोनिया के इसी बयान को लेकर भाजपा उनपर हमलावर हो गई है। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोनिया गांधी की ओर से राष्ट्रपति मुर्मू के लिए की गई एक टिप्पणी को लेकर उनकी कड़ी निंदा की और मांग की कि वह राष्ट्रपति तथा भारत के आदिवासी समुदायों से बिना शर्त माफी मांगें। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिना नाम लिए सोनिया गांधी पर निशाना साधा है। दिल्ली में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस और आपदा दोनों अहंकार की पराकाष्ठा के प्रतीक हैं। ये क्क-दा वाले खुद को दिल्ली का मालिक बताते हैं। तो वहीं कांग्रेस वाले खुद को देश का मालिक समझते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शाही परिवार का अहंकार आज देश ने फिर देखा है। आज हमारी सम्मानीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने संसद को संबोधित किया। उन्होंने देशवासियों की उपलब्धियों के बारे में बताया, विकसित भारत के विजन के बारे में बताया। मोदी ने कहा कि हिंदी उनकी मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने बहुत ही बेहतरीन भाषण दिया, लेकिन कांग्रेस का शाही परिवार उनके अपमान पर उतर आया है।

ये आदिवासियों का अपमान-मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का यह पहला बजट सत्र है। उन्होंने इस दौरान कथित तौर पर विदेश में बैठे भारत विरोधी ताकतों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह 2014 के बाद से पहला बजट सत्र है, जिसमें विदेश से कोई चिंगारी नहीं आई है, जिसको यहां बैठे लोग भड़का सकें। मैं 10 साल से यह देख रहा हूं कि विदेश में बैठे कुछ लोग चिंगारी लगाते हैं। उसको भारत में बैठे कुछ लोग भड़काने का काम करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि तीसरे कार्यकाल में हम भारत के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हम मिशन मोड पर आगे बढ़ रहे हैं। नवाचार, समावेश और निवेश हमारी आर्थिक गतिविधि का आधार हैं। संसद के इस सत्र में कई ऐतिहासिक विधेयकों और संशोधनों पर चर्चा की जाएगी। उचित और विस्तृत चर्चा के बाद इन्हें कानून बनाया जाएगा।

मैहर में नहर की मेड़ धंसने से 4 लोग दबे, 1 की मौत

मैहर. (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सतना जिले से अलग होकर बनाए बनाए गए मैहर जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है. यहां रामनगर में बहुती नहर के निर्माण के दौरान अचानक मिट्टी धंसने से 4 मजदूर मिट्टी के मलबे के नीचे जा दबे. इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत की खबर है, जबकि तीन लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया है. बताया जा रहा है कि हादसे में जिस शख्स की जान गई है गांव का चरवाहा था, बकरी चराने घटना स्थल के पास आया था. फिलहाल, सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इसमें एक गंभीर घायल को रीवा रेफर किया गया है.

बता दें कि ये दर्दनाक हादसा गुरुवार शाम करीब 6 बजे जिला मुख्यालय से 70 किलोमीटर दूर रामनगर विकासखंड के नौगांव में हुआ है. सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचे. राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया. करीब 9 बजे एक व्यक्ति का शव और 3 घायलों को रेस्क्यू कर निकाला गया. मृतक के परिजन मुआवजा की मांग कर रहे हैं. हादसे में 55 वर्षीय बैजनाथ यादव की मौत हो गई, जो नौगांव नंबर 4 के निवासी थे. इधर, घटना के बाद से ठेकेदार के लोग मौके से फरार हो गए.

मामले को लेकर मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि, मैहर जिले के रामनगर में नहर निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी धंसने से एक मजदूर की मृत्यु और कुछ श्रमिकों के घायल होने की घटना बहुत दुखद है. परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत जन को शांति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें.

एसडीएम कोर्ट में बाबू और वकीलों के बीच चले लात-घूंसे

साहब के खर्चे उठाने पड़ते हैं, इसलिए रिश्वत लेना जरूरी...

शिवपुरी (आरएनएस)। शिवपुरी एसडीएम कोर्ट में पदस्थ बाबू द्वारा जमानत के लिए कथित रूप से रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। इसको लेकर शुक्रवार को कोर्ट परिसर में विवाद हो गया, जिसमें एक युवक घायल हो गया। आरोप है कि बाबू ने एक युवक से जमानत के एवज में 500 रुपये की मांग की थी। गुरुवार को फिजिकल पुलिस ने जुबेर (22) को शांति भंग के आरोप में एसडीएम कोर्ट में पेश किया था। एसडीएम उमेश कौरव ने बाबू ह्रदेश शर्मा को जमानत देने का निर्देश दिया, लेकिन बाबू ने जुबेर के भाई अब्दुल्ला से 500 रुपये की रिश्वत मांगी। जब अब्दुल्ला ने पैसे न होने की बात कही, तो जुबेर को जेल भेज दिया गया। शुक्रवार को अब्दुल्ला ने यह बात एडवोकेट विजय तिवारी को बताई, जिसके बाद वकीलों ने बार काउंसिल से इसकी शिकायत की। इसी दौरान वकीलों और बाबू के बीच झड़प हो गई, जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया। एडवोकेट तिवारी ने आरोप लगाया कि जिले के राजस्व कार्यालयों में बाबू बेलगाम हो गए हैं और जमानत दिलाने के नाम पर 1,000 से 5,000 रुपये तक वसूली की जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बाबू ने खुद कहा कि उन्हें साहब के खर्चे उठाने पड़ते हैं, इसलिए रिश्वत लेना जरूरी है।

विस चुनाव से पहले आप को झटका, 7 विधायकों का इस्तीफा

पार्टी भी छोड़ी- टिकट ना मिलने से थे नाराज

नई दिल्ली.(आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से 5 दिन पहले आम आदमी पार्टी के 7 मौजूदा विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. इनमें महरौली, त्रिलोकपुरी, जनकपुरी, बिजवासन, पालम, आदर्श नगर, कस्तूरबा नगर विधानसभा सीट शामिल हैं. महरौली से 2 बार के पार्टी विधायक नरेश यादव ने शुक्रवार को पार्टी से इस्तीफा दिया है. उन्होंने अपने इस्तीफे की वजह पार्टी में फैले भ्रष्टाचार को बताया. उन्होंने ङ्क पोस्ट में पार्टी छोड़ने की वजह भी बताई है. उन्होंने लिखा- आप का उदय भ्रष्टाचार के खिलाफ हुए अन्ना आंदोलन से भारतीय राजनीति से भ्रष्टाचार को मुक्त करने के लिए हुआ था. लेकिन अब मैं बहुत दुखी हूं कि भ्रष्टाचार आम आदमी पार्टी बिल्कुल भी कम नहीं कर पाई, बल्कि आप ही भ्रष्टाचार के दलदल में लिप्त हो चुकी है. उन्होंने लिखा कि मैंने आम आदमी पार्टी ईमानदारी की राजनीति के लिए ही ज्वाइन की थी. आज कहीं भी ईमानदारी नजर नहीं आ रही है. मैंने महरौली विधानसभा में पिछले 10 सालों से लगातार 100 फीसदी ईमानदारी से काम किया है. महरौली के लोग जानते हैं कि मैंने ईमानदारी की राजनीति, अच्छे व्यवहार की राजनीति और काम की राजनीति की है. यादव ने लिखा कि मैंने महरौली के बहुत से लोगों से चर्चा की सभी ने यही कहा कि आम आदमी पार्टी अब पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त हो चुकी है. आपको इस पार्टी को छोड़ देना चाहिए क्योंकि इन्होंने लोगों के साथ धोखा किया है.दिल्ली की जनता जानती है कि आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचारियों को ही पार्टी में शामिल कर लिया है. दिल्ली में 5 फरवरी को सभी 70 सीटों पर वोटिंग होगी. वहीं, 8 फरवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे. 70 विधानसभा सीटों के लिए कुल 699 उम्मीदवार मैदान में हैं. विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है.

पुंछ में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकवादी हुए ढेर

कश्मीर.(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय सेना ने एक बड़ी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। गुरुवार शाम को लाइन ऑफ कंट्रोल (रूष्ट) पर हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए, जबकि एक आतंकी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की ओर भागने में सफल रहा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तीन आतंकवादियों ने पुंछ के खारी करमारा सेक्टर से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश की। सेना के सतर्क जवानों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई।

भारतीय सेना ने मुठभेड़ में दो आतंकियों को मार गिराया, जबकि तीसरा आतंकी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। सेना ने इलाके की सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है ताकि किसी और संभावित खतरे को रोका जा सके।

जापान में भी चला सीएम डॉ मोहन यादव का जादू, ऐसे बनाई दिलों में जगह

टोक्यो/भोपाल।(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश-प्रदेश की जनता का मन तो मोहा ही है, लेकिन अब उन्होंने जापान के लोगों के दिलों में भी जगह बना ली है। उनके सरल-सहज-आकर्षक व्यक्तित्व ने लोगों को कितना आकर्षित किया, इसकी बानगी जापान के ओसाका शहर में देखने को मिली। दरअसल, जापान की यात्रा के चौथे दिन यानी 31 जनवरी को जब सीएम डॉ. यादव इम्पीरियल होटल से चेक-आउट कर रहे थे, तब होटल के पूरे मैनेजमेंट-स्टाफ ने उनके स्वागत में पलक-पांवड़े बिछा दिए। मैनेजमेंट और स्टाफ के सदस्यों ने सीएम डॉ. यादव की रवानगी के मौके पर बड़ी देर

तक तालियां बजाईं। यादों को सहेजने के लिए लोगों ने सीएम डॉ. मोहन यादव के साथ कई तस्वीरें खिंचवाईं। लोग तब तक होटल के मैन गेट पर खड़े रहे, जब तक सीएम डॉ. यादव का काफिला वहां से रवाना नहीं हो गया। लोग जापानी अंदाज और भाषा में उन्हें विदाई दे रहे थे। इस मौके पर इम्पीरियल होटल मैनेजमेंट ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जैसे सरल व्यक्तित्व कभी-कभी ही यहां ठहरने आते हैं। उनके साथ इतने दिन बिताकर कभी ये नहीं लगा कि हम किसी मुख्यमंत्री से बात कर रहे हैं। सीएम डॉ. यादव ने उन्हें कभी यह अहसास नहीं होने दिया कि वे वीआईपी हैं। वे हर वक्त आम इंसान की तरह ही पेश आए। उन्होंने कभी वीआईपी वाला रुतबा दिखाया ही नहीं। वे बातचीत और व्यवहार करने में बेहद सहज थे। हमने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाई हैं। उच्च अधिकारियों-उद्योगपतियों के साथ होंगी बैठकें गौरतलब है कि, अपनी यात्रा के चौथे दिन भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कई अहम बैठकें करेंगे। वे गवर्नमेंट-टू-गवर्नमेंट और बिजनेस-टू-बिजनेस बैठकों में अधिकारियों-उद्योगपतियों से बातचीत करेंगे। इस चर्चा के दौरान मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास और जापान के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर फोकस किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अधिकारियों और प्रमुख उद्योगपतियों से मिलकर राज्य में निवेश और टेक्नोलॉजी पर बातचीत करेंगे।

किन्नर अखाड़ा ने ममता कुलकर्णी और लक्ष्मी नारायण को किया बाहर

प्रयागराज. (आरएनएस)। महाकुंभ के दौरान किन्नर अखाड़े ने एक बड़ा और अप्रत्याशित कदम उठाया है, जब उन्होंने अभिनेत्री ममता कुलकर्णी और आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को अखाड़े से बाहर कर दिया. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास ने यह घोषणा की कि ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर पद से हटा दिया गया है और लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को भी उनके पद से हटा दिया गया. इसके साथ ही ऋषि अजय दास ने यह भी कहा कि किन्नर अखाड़े का जल्द पुनर्गठन किया जाएगा और नए आचार्य महामंडलेश्वर का चयन किया जाएगा. ममता कुलकर्णी, जो कुछ दिनों पहले ही महाकुंभ में संन्यास लेने के बाद किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनी थीं, को अचानक पद से हटा दिया गया. इसके बाद, लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को भी अखाड़े से बाहर किया गया. किन्नर अखाड़े के इस फैसले ने सभी को चौंका दिया. ऋषि अजय दास ने कहा कि यह कदम अखाड़े के पुनर्गठन की दिशा में उठाया गया

फिरोजपुर में बोलेरो पिकअप और कैंटर के बीच भीषण टक्कर, 10 की मौत, 5 गंभीर रूप से घायल

फिरोजपुर.(आरएनएस)। पंजाब के फिरोजपुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है. जहां एक बोलेरो पिकअप और कैंटर की टक्कर हो गई है. इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई है. जबकि, 5 लोग गंभीर रूप से घायल हैं. हादसा सुबह फिरोजपुर के गांव मोहन के उताड़ के पास हुआ है. जानकारी के मुताबिक घटना के वक्त पिकअप में करीब 15 से ज्यादा लोग सवार थे.

घायलों को राहगीरों और एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है. यह दुर्घटना फिरोजपुर-फाजिल्का रोड पर हुई. घटना की सूचना मिलने के बाद फिरोजपुर पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं. घटनास्थल पर जांच के लिए पहुंचे इंस्पेक्टर जसविंदर सिंह बराड़ ने बताया है कि सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा फोर्स की टीमें पहुंच गई थीं. सभी घायलों अस्पताल पहुंचाया गया है.

इंस्पेक्टर बराड़ ने बताया है कि बोलेरो पिकअप में मजदूर सवार थे. वे फिरोजपुर से देहात एरिया की ओर जा रहे थे. इस दौरान पिकअप बेकाबू हो गई, जिससे पीछे से आ रहे कैंटर के साथ हादसा हो गया. 8 से ज्यादा लोगों को अस्पताल ले जाते ही मृत घोषित कर दिया गया था. वहीं, कुछ ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. वहीं, मौके पर मौजूद लोगों ने बताया है कि बोलेरो पिकअप में सवार सभी लोग शादियों में वेटर का काम करने के लिए जाते थे.

एक देश एक चुनाव को जन आंदोलन बनाएगी भाजपा, एमपी में भी चलेगा जागरूकता अभियान

भोपाल (आरएनएस)। एक देश एक चुनाव (वन नेशन-वन इलेक्शन) को भाजपा देशभर में जन आंदोलन बनाएगी। इसको लेकर मध्य प्रदेश में भाजपा जागरूकता अभियान भी चलाएगी। गुरुवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में एक देश एक चुनाव की बैठक हुई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद की उपस्थिति में भाजपा प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को एक देश-एक चुनाव को लेकर पार्टी द्वारा गठित प्रदेश स्तरीय टोली की बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर टोली के संयोजक एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश रोहित आर्य एवं सह संयोजक व इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव भी उपस्थित रहे। बैठक में जागरूकता अभियान को लेकर लेकर चर्चा हुई। बैठक के बाद पत्रकारवार्ता में प्रदेश संयोजक रोहित आर्य ने कहा कि एक देश एक चुनाव के परिप्रेक्ष्य में मंथन होना चाहिए।

एक देश एक चुनाव हमारे संविधान के मूल संरचना

का रूप है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजनरी स्टेप है। संविधान की प्रस्तावना में राजनीतिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुहिम चलाने का निर्णय लिया गया है।आर्य ने कहा कि आज तक पालिटिकल जस्टिस के परिपेक्ष्य में ज्यादा काम नहीं हुआ था। वन नेशन वन इलेक्शन के बहुआयामी फायदे होंगे। वोटर का मूल्य क्या है और प्रजातंत्र के महत्व क्या है इसे जनता तक पहुंचाना है। इससे व्यय कम होंगे, सामाजिक ढांचा सुधरेगा।

प्रशासनिक अमला जो साल भर चुनाव में लगा रहता है, वह नहीं होगा। इसमें एक राजनीतिक स्थिरता आएगी। चुनी सरकार पांच साल काम करेगी। जनता चुनेगी कि पांच साल बाद किसको लाना है कौन सी सरकार चुनकर आएगी। यह समाज के सभी वर्गों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

सेवानिवृत्त न्यायाधीश रोहित आर्य ने कहा कि एक देश एक चुनाव का एक प्रारूप बनेगा और इसके बहुआयामी परिणाम आएंगे। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद की रिपोर्ट के आधार पर 2034 तक इसका क्रियान्वयन शुरू कर दिया जाएगा।

अभी जनता को बताना है कि इसके क्या फायदे हैं और इसके न हो होने से देश कितना पीछे जा रहा है। यह किसी पार्टी का एजेंडा नहीं है, यह नेशनल एजेंडा है। इसमें जनता का साथ जरूरी है। वन नेशन वन इलेक्शन पर डिबेट होना चाहिए। मैं अपनी 29 साल की वकालत और 11 साल की जस्टिस के आधार पर कह सकता हूं कि ये कानून के आधार पर है। संविधान के मूलभूत भावनाओं के अनुरूप है। इसमें किसी कानून का उल्लंघन नहीं है। वन नेशन वन इलेक्शन को हम जन आंदोलन बनाएंगे।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना बरगी में राघवेन्द्र पटैल उम्र 31 वर्ष निवासी ग्राम हर्राई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह खेती किसानी करता है बेनी प्रसाद पटैल उसके चाचा लगते हैं जो गांव के अन्य लोगों के साथ प्रयागराज कुम्भ मेला गये हुये है घर में उसकी बहन श्रृद्धा पटैल रहती थीं जो दिन में घर पर रहती थी रात मे सोने के लिये शाम लगभग 5 बजे घर पर ताला लगाकर आ जाती थीं । दिनांक 28-1-25 को बहन श्रृद्धा उसके घर शाम लगभग 4 बजे घर पर ताला लगाकर आ गयी थी शाम लगभग 7-30 बजे वह चाचा बेनी प्रसाद के घर पूजा कर दिया जलाने गया था

पमरे के एजीएम एवं पीसीएमई नितिन चौधरी सहित 114 रेलकर्मी सेवानिवृत्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय में कार्यरत अधिकारी अपर महप्रबन्धक एवं प्रमुख मुख्य यांत्रिक अभियंता श्री नितिन चौधरी सहित 02 रेल कर्मचारियों सहित जबलपुर, भोपाल, कोटा मण्डलों एवं दोनों कारखानों में मिलाकर कुल 114 रेलकर्मी शुक्रवार 31 जनवरी 2025 को सेवानिवृत्त हुए। पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में माह के अंतिम कार्य दिवस 31 जनवरी 2025 को महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने अपर महप्रबन्धक एवं प्रमुख मुख्य यांत्रिक अभियंता श्री नितिन चौधरी के अधिवार्षिता पर सेवानिवृत्ति संबंधित दस्तावेज एवं गोल्ड प्लेटेड सिलवर मेडल प्रदान किये। सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन की ओर से स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन के लिए शुभकामनायें दी गई।

सेवानिवृत्ति समारोह के अवसर पर प्रमुख मुख्य दूरसंचार एवं संकेत इंजीनियर श्री एकनाथ

मोहकर, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री प्रभात, प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री आशुतोष, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री नीरज कुमार, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री गुरिंदर मोहन सिंह, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री कुशाल सिंह, प्रमुख मुख्य विद्युत् इंजीनियर श्री मुकेश, प्रमुख मुख्य भण्डार प्रबंधक श्री एम के गुप्ता, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री प्रवीन खोराना, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. श्याम सुन्दर, प्रधान वित्त सलाहकार सुश्री मनजीत कौर, प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री राजीव कुमार यादव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री एम, एस हाशमी एवं सचिव महाप्रबंधक श्री राहुल जयपुरियार, उप महाप्रबंधक (सामान्य) श्री अनुराग पाण्डेय सहित अन्य विभाग के प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्ष सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

शुक्रवार को सेवानिवृत होने वालों में मुख्यालय में 01अधिकारी एवं 02 रेल कर्मचारियों, जबलपुर मंडल में 28 रेल कर्मचारियों, जबलपुर निर्माण में 01 रेलकर्मी, भोपाल मण्डल में 39 रेल कर्मचारियों, भोपाल कारखाना में 06 रेल कर्मचारियों, कोटा मण्डल में 30 रेल कर्मचारियों एवं कोटा कारखाना में 07 रेल कर्मचारियों सहित पमरे पर कुल 114 रेल कर्मियों की सेवानिवृत्ति हुई। इस अवसर पर सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनकी सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन के द्वारा शुभकामनाए दी गईं।

एम.पी. ट्रांसको ने सुदृढ किया औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर में विद्युत पारेषण व्यवस्था को 200 एम व्ही क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर ऊजीकृत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। एम.पी. ट्रांसको (म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने इंदौर के औद्योगिक क्षेत्र में स्थित 220 के.व्ही. सबस्टेशन पीथमपुर सेक्टर -ढ्ढढ्ढ में एक 200 एम.व्ही.ए. क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किया है। मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि पीथमपुर क्षेत्र के लिये भविष्य में औद्योगिक उपभोक्ताओं की विद्युत की बढ़ती जरूरत और पारेषण विश्वसनीयता के मद्देनजर एम.पी. ट्रांसको ने सबस्टेशन की क्षमता वृद्धि करते हुए इस पावर ट्रांसफार्मर को स्थापित कर ऊर्जीकृत किया है। यह पीथमपुर क्षेत्र का पहला 200 एम.व्ही.ए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि लगभग 20.5 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से स्थापित इस ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकृत होने से पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र की पारेषण क्षमता को सुदृढ़ता प्रदान हुई है, जिससे इस सबस्टेशन से जुड़े अनेक औद्योगिक विद्युत उपभोक्ताओं को काफी फायदा पहुंचेगा, अब उन्हें गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति अतिरिक्त क्षमता के साथ उपलब्ध रहेगी । इस ट्रांसफार्मर के स्थापित हो जाने से पीथमपुर सबस्टेशन की क्षमता बढ़कर 819

एम.व्ही.ए. हो गई है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने इस सफलता के लिए एम.पी. ट्रांसको के कार्मिकों को बधाई दी है।उल्लेखनीय है कि एम.पी. ट्रांसको के इस सब स्टेशन से सिर्फ औद्योगिक क्षेत्र के लिए ही विद्युत आपूर्ति की जाती है।

एम.पी. ट्रांसको की ट्रांसफारमेशन कैपेसिटी हुई 80914 एम.व्ही.ए.-

मध्यप्रदेश में एम.पी. ट्रांसको (मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) अपने 416 सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है। इस क्षमता .वृद्धि से मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की कुल ट्रांसफारमेशन क्षमता बढ़कर 80914 एम.व्ही.ए. की हो गई है । प्रदेश में एम.पी. ट्रांसको (मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के कुल 1022 पावर ट्रांसफार्मर क्रियाशील है।

ज्योतिर्लिंग के साथ द्वारका एवं शिर्डी यात्रा के लिए रवाना होगी आईआरसीटीसी की भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। दिनांक 25.03.2025 को रीवा शहर से ज्योतिर्लिंग के साथ द्वारका एवं शिर्डी यात्रा के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन मध्यप्रदेश रीवा, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, इटारसी, रानी कमलापति, शुजालपुर, इंदौर, देवास, उज्जैन एवं रतलाम स्टेशनों से होते हुए जाएगी, जहाँ से यात्री इस ट्रैन पर सवार हो सकेंगे। 10 रातें/11 दिनों की इस यात्रा में द्वारका, सोमनाथ, त्रिम्बकेश्वर, शिरडी, भीमाशंकर एवं घृष्णेश्वर के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। इसके लिए यात्रियों को रु. 20,700/- प्रति व्यक्ति (स्रु- इकॉनामी श्रेणी), रु. 34,600/- प्रति व्यक्ति (3ष्ट - स्टैण्डर्ड श्रेणी) एवं रु. 45,900/- प्रति व्यक्ति (2ष्ट - कम्फर्ट श्रेणी) किराया देना होगा।

आईआरसीटीसी,इस सर्व समावेशी टूर की पेशकश कर रहा है,जिसमें भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक में आरामदायक रेल यात्रा,ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन,सड़क परिवहन और गुणवत्तायुक?त बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा,यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था,यात्रा में टूर एस्कॉर्ट्स,यात्रा बीमा,ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सेवा शामिल है। इक्छुक पर्यटक इसकी बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर ऑनलाइन व अधिकृत एजेंट से भी करा सकते है। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी व बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी के भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर रेल्वे स्टेशन कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

नवनिर्वाचित भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में करेंगे पदभार ग्रहण

भाजपा संभागीय कार्यालय में सुंदरकांड आज

जबलपुर। भाजपा के नवनिर्वाचित नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर के पदभार ग्रहण कार्यक्रम के उपलक्ष्य में भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में कल दिनांक 1 फरवरी शनिवार को सुबह 10 बजे से बृहत संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया है। श्री सोनकर कल दोपहर 12ः30 बजे लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मिकी, सांसद श्री आशीष दुबे, विधायक श्री अशोक रोहाणी, श्री अभिलाष पांडे, पूर्व विधायक श्री अंचल सोनकर, श्री शरद जैन, श्री हरेंद्रजीत सिंह बब्बू, पूर्व अध्यक्ष श्री प्रभात साहू एवं वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में पदभार ग्रहण करेंगे। कल सुबह 10 बजे भाजपा कार्यालय में सुंदरकांड के पाठ का आयोजन होगा इसके बाद नगर अध्यक्ष श्री सोनकर महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात दोपहर 12ः30 बजे सभी जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में दायित्व निर्वहन हेतु पदभार ग्रहण करेंगे। इसके बाद भोग प्रसाद, प्रीतिभोज का आयोजन किया गया है। नवनिर्वाचित भाजपा नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर एवं नगर संगठन ने बूथ समिति, मंडलों, पार्षदों, जिले के सभी कार्यकर्ताओ से कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील की है।

जबलपुर मॉडल पुस्तक का विमोचन आज

जबलपुर। जबलपुर मॉडल पुस्तक के लेखक, आई.ए.एस. अधिकारी, नगर निगम जबलपुर के पूर्व आयुक्त एवं नरसिंहपुर जिले के पूर्व कलेक्टर वेद प्रकाश के द्वारा लिखि पुस्तक ''जबलपुर मॉडल'' का आज दिनांक 1 फरवरी 2025 को अपरान्ह 02:30 बजे से भँवरताल के समीप कल्चर स्ट्रीट, संस्कृति भवन में विमोचन किया जायेगा। इस अवसर पर वेदप्रकाश ने सभी सम्माननीय जनों एवं इष्ट मित्रों से उपस्थिति की अपील की है।

हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट गोद भराई एवं सुहागले कल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में निशुल्क माघ मास कल्पवास आज से 10 वर्ष से पहले चालू हुआ कल्पवास में सुबह चाय नाश्ता दोपहर भोजन रात्रि भोजन रहने की व्यवस्था सभी आश्रम के द्वारा निशुल्क हैं 2 फरवरी रविवार प्रात: 9ः00 बजे गोद भराई एवं सुहागाले का आयोजन होगा जिन माताओ बहनों को शादी उपरांत मातृत्व की प्राप्ति नहीं हुई है किन्नर संतो के द्वारा गोद भराई की रस्म अदायगी की जाएगी गोद भराई एवं सुहागिनों की सामग्री आश्रम द्वारा निशुल्क वितरित की जाएगी किन्नर अखाड़ा के साथ हीरा दीदी कैट शर्मा बबली तिवारी काजल दीदी खिलौना दीदी राधिका दीदी पूजा दीदी मोना दीदी कामिनी दीदी गोद भराई की रस्में करेगी उपस्थिति की अपील नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल अध्यक्ष डॉ शिव शंकर पटेल पं मनमोहन दुबे कल्पवास प्रमुख पप्पू चौबे कल्पवास सह प्रमुख श्याम मनोहर पटेल प्रशासनिक प्रमुख विनोद दीवान छप्पन भोग प्रमुख मनोज गुलाब बनी सुहागले एवं गोद भराई प्रमुख सुरेश विश्वकर्मा कैलाश विश्वकर्मा मोहित तिवारी आदि ने उपस्थित की अपील की है

हिंदी महाकुंभ दिव्य आयोजन संपन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के संकल्प के अभियान के तहत संस्कारधानी जबलपुर में विशाल हिंदी महाकुंभ का आयोजन किया गया ? हिंदी महाकुंभ में भारत के 16 राज्यों के लगभग 160 कवि-कवियत्रियों ने हिन्दी पर केन्द्रित एक से बढ़कर एक रचनाएँ जो राष्ट्र भाषा बनाने के समर्थन में रची-पढ़ी गयीं ? राष्ट्रीय प्रेरणा हिन्दी प्रचारिणी सभा राष्ट्रीय मुख्यालय, आयोजक कवि संगम त्रिपाठी, संयोजन सशक्त हस्ताक्षर परिवार सहित संस्थापक गणेश श्रीवास्तव प्यासा के सराहनीय प्रयास रहे ? माँ सरस्वती की प्रतिमा के पूजन-अर्चन उपरांत वंदना तरूणा खरे ने की ?

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धर्म प्रकाश बाजपेयी अटल विश्व हिंदी संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष, अध्यक्षता महामहोपाध्याय आचार्य डॉ. हरिशंकर दुबे,विशिष्ट अतिथि साध्वी अरून्धती गिरि की गरिमामय उपस्थिति रही ? इस अवसर पर श्री जानकी रमण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी,मंचमणि राजेश पाठक प्रवीण को सम्मानित किया गया ?इसी कड़ी में पाथेय से कवि संगम त्रिपाठी,गणेश श्रीवास्तव प्यासा सहित सशक्त हस्ताक्षर के पदाधिकारियों का सम्मान किया ? संतोष नेमा संतोष मंथन श्री ने कवि संगम त्रिपाठी का सम्मान किया ?

उत्तरप्रदेश- विनोद कुमार पाण्डेय, शिवनाथ सिंह,इंद्रेश भदौरिया अवधी सम्राट, नंदलाल मणि त्रिपाठी, कर्नल आदिशंकर मिश्र आदित्य,भगवती प्रसाद मिश्र बेधड़क, दीनदयाल सोनी, पूरनसिंह, जगदीश चन्द्र वर्मा,सीमा शर्मा, प्रो. डॉ. सरोजनी तन्हा मेरठ, अवधेश कुमार साहू बेचैन, प्रो. मिथिलेश कुमार त्रिपाठी, रामआसरे गोयल शशि, विजय कुमारी अहसास,चंद्रप्रकाश व्यथित,श्रीपाल शर्मा गाजियाबाद,शिव कुमार शिव, छत्तीसगढ़-गोविन्द पाल,शिव शरण अमल,बंसतकुमार साहू ऋतुराज, ऋतम्भरा शीशपाल कश्यप, निवेदिता वर्मा मेघा,डॉ. ,माधुरी त्रिपाठी, नरेन्द्र वैष्णव सक्ती,डॉ. कन्हैया साहू अमित, हेमंत कुमार अगम, राकेश कुमार खरे, अंजलि तिवारी मिश्रा, यज्ञ सैनी साहू , महाराष्ट्र -डॉ. बालकृष्ण महाजन, विवेक असरानी, अंतरराष्ट्रीय अमन रंगेला,राहुल कुंवर,तन्हा नागपुरी,डॉ. कृष्ण कुमार द्विवेदी, मेघा अग्रवाल, डॉ. किंजल इलेश मेहता, राजस्थान- डॉ. संजीदा खानम शाहीन,डॉ. रामचंद स्वामी,राम अवतार स्वामी, महेश

नारायण शर्मा,विष्णु शंकर मीणा, दिल्ली-डॉ. धर्म प्रकाश बाजपेयी,अंजू सिंह, प्रदीप मिश्र अजनबी ?बिहार-डॉ. सरस्वती मल्लिक,श्रीपाल शर्मा विश्वकर्मा, आंध्रप्रदेश - बसंती दीपशिखा,डॉ. गुण्डाल विजय कुमार,के. राजु हिंदी प्रेमी, एन. श्रीकांत रेड्डी, गोवा-दुर्वा दुर्गेश, असम - नित्यानंद उ उपाध्याय, उत्तराखंड - सचिन पंवार झारखण्ड-डॉ. रामप्रवेश पंडित, केरल- फराह नसीम, डॉ. सलमा जमाल, डॉ. कादम्बिनी मिश्र,जी. एल. जैन,डॉ. मनीषा दुबे, प्रियंका पटेल, रजनी कटारे हेम,कृष्ण कुमार नेमा निर्झर, बालमुकुंद लखेरा,डॉ. आशा श्रीवास्तव,राजकुमार अहिरवार, उर्मिला श्रीवास्तव,कालीदास ताम्रकार काली, राजकुमारी राज रैकवार,प्रकाश सिंह ठाकुर,प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, तरुणा खरे,विवेक शैलार,रेखा नेमा,अर्चना मलैया, आशुतोष तिवारी, राजेन्द्र मिश्रा, अनुराधा दीक्षि गर्ग, आशा झा सखी, रजनी चौहान, निर्मला डोंगरे, रश्मि पाण्डेय शुभी,प्रभा विश्वकर्मा शील,वंदना सोनी विनम्र, अर्चना गुदालू, पदमा तिवारी,प्रणय श्रीवास्तव अश्क,चंदा देवी स्वर्णकार, अंजलि शर्मा, औजेन्द्र तिवारी, उमा मिश्रा, सुरेश मिश्र विचित्र, अभिमन्यु जैन, शरतचंद पालन, छाया त्रिवेदी, वीरेन्द्र कुमार, अरविंद कुमार तिवारी, अनिल शुक्ला, मीना भट्ट,बच्चन श्रीवास्तव, ऋषि राज रैकवार, पुरुषोत्तम भट्ट, अमरसिंह वर्मा, अम्लान गुहा नियोगी,मदन श्रीवास्तव, पत्रकार सतीश कुमार पाण्डेय, कविता नेमा, संदीप सक्सेना, उमाकांत त्रिपाठी निश्चल, श्वेता रैकवार, अमित अग्रवाल, अन्नपूर्णा वर्मा, आशा निर्मल जैन,पत्रकार, पत्रिका ललित कोष्ठा,पत्रकार विनोद गहरवार, पत्रकार अनिल गुप्ता, पत्रकार रामलखन गुप्त, वरिष्ठ पत्रकार राजवीर शर्मा, नितिन शर्मा नीति, सरस्वती देवी द्विवेदी, अनिल कुमार मिश्र, चंद्र किशोर चंदन,पी. के. मिश्रा,राजीव खरे, निर्मला डोंगरे, सुषमा खरे, रचना सक्सेना, शिवांश सरल, कविता राय, कुंजीलाल चक्रवती निर्झर, डॉ. प्रशांत मिश्रा, अनुराग दुबे,लखन रजक,आशा मालवीय, उमाकांत त्रिपाठी, प्रीति नामदेव भूमिजा, अश्वनी कुमार पाण्डे, शिवम? द्विवेदी, प्रतीक्षा सेठी, सुरेश दर्पण,नंदकुमार जैन, महेश छाबड़ा, कैलाश नेमा, राकेश राय,सुरेश चक्रवर्ती, संचालन गणेश श्रीवास्तव प्यासा, सिद्धेश्वरी सराफ शीलू ने रचनात्मक सहयोग प्रदान किया। हिंदी महाकुंभ में सभी को सम्मानित किया गया व हिंदी सेवी स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।आभार मदन श्रीवास्तव ने किया ?

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 459/ 2024/2025 दिनांक 30.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **काबिज- श्री अनीत कुर्मी, पिता- श्री राजेन्द्र कुर्मी** ने भवन क्रं. 820/क पिन क्र. 1002148153 **वार्ड क्र. 03, वार्ड त्रिपुरी,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) काबिज - श्रीमती दीपिका चक्रवर्ती, पति- श्री भरत चक्रवर्ती, भूतल 360 व.फु., टीन शेड, **अपंजीकृत विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2024
एम. 458/ 2024/2025 दिनांक 30.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती किरण रजक, पति- श्री रामपाल रजक** ने भवन क्रं. एल.आई.जी.-2 पिन क्र. 1000704055 का भाग **वार्ड क्र. 71, वार्ड वीर दुर्गादास राठौर,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) श्री विजय जसूजा, पिता श्री रमेश जसूजा एवं श्री अरूण कुमार, क्षेत्रफल 700 व.फु., भूतल 600 व.फु., प्रथमतल 600 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

संभागीय कार्यालय संभाग क्रं-15 सुहागी,नगर निगम, जबलपुर

प्रकरण क्रं./ संभा.अधि./ राजस्व./
M 100/2024-25 दिनांक 30/01/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **श्री सुबोध कुमार जैन, पिता श्री शीलचंद जैन** के द्वारा **वार्ड क्रं. 72 दादा ठनठनपाल वार्ड** के निगम सम्पत्ति आई.डी. क्र. 1000545721 के पंजीकृत स्वामी श्रीमती गुणमाला जैन, पति श्री शीलचंद जैन के नाम से दर्ज प्लाट नं. जी-20 का निर्मित रकवा तल मंजिल 1015 व.फु., प्रथम मंजिल 1015 व.फु. की स्वामिनी श्रीमती गुणमाला जैन का दिनांक 02/05/2021 एवं श्री शीलचंद जैन का दिनांक 17/12/2012 को निधन हो जाने के पश्चात् उक्त संपत्ति मौजा लमती खसरा नं. 30/217 बाबू कमला गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित जबलपुर का कुल प्लाट रकवा 1500 व.फु. व उस पर निर्मित तल मंजिल 1015 व.फु., प्रथम मंजिल 1015 व.फु. संपत्ति स्वामिनी के पुत्र श्री सुधीर कुमार जैन, श्री सुबोध कुमार जैन दोनों के पिता- स्व.श्री शीलचंद जैन के के द्वारा उक्त संपत्ति के आधे-आधे भाग के मालिक काबिज की हैसियत से पक्षकार क्रं. 01 श्री सुधीर कुमार जैन, पिता स्व. श्री शीलचंद जैन ने अपने हक व हिस्से का रकवा 750 व.फु. जिस पर निर्मित तल मंजिल 507.5 व.फु., एवं प्रथमतल 507.5 व.फु., अपने सगे भाई पक्षकार क्रं. 02 श्री सुबोध कु.जैन, पिता स्व. श्री शीलचंद जैन के पक्ष में प्रतिफल प्राप्त कर हक त्याग कर दिये जाने पर निम्न दस्तावेज , **मृत्यु प्रमाण पत्र, रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र, विक्रयपत्र, आधार कार्ड, टैक्स रसीद व राजस्व नामांतरण शुल्क** के आधार पर नगर निगम राजस्व कम्प्यूटर रिकार्ड में अपना नाम दर्ज किये जाने नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है जिस किसी को भी आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रं- 15 सुहागी** में दस्तावेज / प्रमाण सहित आपत्ति आवेदन प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी (राजस्व) संभाग क्रमांक 15 सुहागी नगर पालिक निगम जबलपुर

संभागीय कार्यालय संभाग क्रं-15 सुहागी,नगर निगम, जबलपुर

प्रकरण क्रं./ संभा.अधि./ राजस्व./
M 101/2024-25 दिनांक 30/01/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **श्रीमती वर्षा तिवारी, पति स्व.श्री राहुल दुबे** के द्वारा **वार्ड क्रं. 74 ए.पी.जे.अब्दुल कलाम वार्ड** के निगम सम्पत्ति आई.डी. क्र. 1002900296 के पंजीकृत स्वामी श्री मनीष कुमार तिवारी, पिता श्री एम.एल. तिवारी एवं श्रीमती रूचि तिवारी, पति श्री मनीष तिवारी के नाम से दर्ज प्लाट रकवा 800 व.फु. जिस पर निर्मित तल 612 व.फु. , प्रथम मंजिल 612 व.फु., मौजा अमखेरा खसरा नं. पुराना 276 नामांतरण पश्चात् खसरा नं. 276/2 का भाग में से विक्रय रकवा 800 व.फु., उस पर निर्मित राजस्व कम्प्यूटर में दर्ज प्रविष्टि अनुसार, **विक्रय/क्रय ,** संपत्ति **ई-पंजीयन प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, टैक्स रसीद एवं राजस्व नामांतरण शुल्क** के आधार पर नगर निगम राजस्व कम्प्यूटर रिकार्ड में अपना नाम दर्ज किये जाने नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है जिस किसी को भी आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रं- 15 सुहागी** में दस्तावेज / प्रमाण सहित आपत्ति आवेदन प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी (राजस्व) संभाग क्रमांक 15 सुहागी नगर पालिक निगम जबलपुर

श्रद्धांजलि सभा आज

जबलपुर/ गढ़ा फाटक, जबलपुर निवासी पूर्व छात्र नेता नंदकिशोर यादव नंदू का 73 वर्ष की आयु में गत दिवस पूना में निधन हो गया है । श्रद्धांजलि सभा 1 फरवरी को संध्या 4 से 5 बजे तक नौदरा ब्रिज के पास होटल अनुश्री में आयोजित है ।

अकाल मृत्यु

जबलपुर/ थाना पनागर में मेडिकल कॉलेज से सूचना मिली कि आशीष कोल उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम गोहदा थाना सिमरिया जिला रीवा को ग्राम कोहनी थाना पनागर मे पेट दर्द होने के कारण चाचा के लड़के

संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की यूनिट नंबर 4 ने किया लगातार 100 दिन से ज्यादा विद्युत उत्पादन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के विद्युत गृहों के द्वारा लगातार विद्युत उत्पादन करने की श्रृंखला में संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 4 ने लगातार 100 दिन से अधिक विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड कायम किया। रिकार्ड कायम करने वाली यूनिट 20 अक्टूबर 2024 से लगातार विद्युत उत्पादन कर रही है। बिरसिंहपुर की यूनिट नंबर 4 ने उत्पादन के साथ हासिल की अन्य उपलब्धियां-संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंहपुर की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 4 ने विभिन्न मापदंडों में भी उपलब्धि हासिल की। यूनिट ने 89.44 फीसदी प्लांट अवेलेबिलिटी फेक्टर (पीएएफ), 86.32 फीसदी प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) व 8.71 प्रतिशत ऑक्जलरी कंजम्पशन (एपीसी) की उपलब्धि हासिल की। यह यूनिट वर्तमान में भी सतत् विद्युत उत्पादन कर रही है। जनरेटिंग कंपनी की 11 वीं यूनिट ने हासिल की उपलब्धि-इस वित्तीय वर्ष में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की लगातार 100 दिनों से अधिक विद्युत उत्पादन करने की उपलब्धि हासिल करने वाली यह 11 वीं यूनिट है। इस वित्तीय वर्ष में इसके पूर्व 10 यूनिट ने लगातार 100

दिनों से अधिक विद्युत उत्पादन करने की विशिष्टि उपलब्धि हासिल की है। इसके अलावा तीन यूनिट ने 200 से अधिक और एक बार 300 दिन तक अनवरत संचालित रहने का नया कीर्तिमान बनाया है। ऊर्जा मंत्री व अपर मुख्य सचिव ने दी बधाई-मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई व मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर के अभियंताओं व कार्मिकों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि वे इसी भावना से कार्य करते हुए विद्युत उत्पादन के नए कीर्तिमान रचेंगे। उनकी बेहतर कार्यनिष्पित्त से प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता बरकरार हुई है।

भोपाल -नेशनल गेम्स उत्तराखंड 2025 में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। आज के मुकाबलों में प्रदेश ने 3 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर कुल 6 पदक अपने नाम किए। अब तक मध्य प्रदेश के खाते में 3 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 8 पदक हो चुके हैं, जिससे राज्य शीर्ष 5 में शामिल हो गया है। प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत और प्रदेश सरकार के सहयोग से यह सफलता संभव हो सकी है।

हर काल और हर युग में भारत और जापान के संबंध रहे हैं बेहतर-जापान और भारत में शोषण नहीं दोहन की भावना से होता है काम- उद्योगपति अपने लिए नहीं दूसरों को रोजगार व जीवन देने के लिये करते हैं उद्यमिता और व्यवसाय

भारत का खोया हुआ भाई लगता है जापान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल-(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जापान और भारत की कई अनुकूलताएं समान हैं। यहाँ की सूर्यनारायण संस्कृति हो या गौतम बुद्ध के बताये मार्ग, दोनों ही देशों में समान रूप से दिखाई देते हैं। इन दोनों देशों की आत्मीयता देखकर यह भी कहा जा सकता है कि जैसे भारत और जापान दो बिछड़े भाई हों। जापान जीवन के प्रति आस्था का प्रतीक भी है। यहाँ के नागरिकों से काम की गुणवत्ता, कर्त्तव्यनिष्ठा और कर्मशीलता के साथ ही जीवन को आनंद के साथ जीने की सीख मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जापान यात्रा के तीसरे दिन गुरुवार को ओसाका में उद्योगपतियों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ इंटरेक्टिव सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ऊर्जा सरप्लस, प्रचुर खनिज संसाधन, क्लीनेस्ट राज्य और देश के दूसरे बड़े शहरों से आवागमन के साधनों से अच्छी तरह कनेक्टेड है, साथ ही राज्य में उद्योग-मित्र नीतियां लागू की गई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आज डबल-डिजिट की विकास दर से आगे बढ़ रहा है। इसलिए, जापान की आधुनिकतम तकनीकों से संपन्न उद्योगों के लिए मध्यप्रदेश में निवेश के लिए अच्छे अवसर हैं। मुख्यमंत्री ने ओसाका के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। अगर उद्योगपति बड़ा मन लेकर आते हैं तो हम उनके सपनों को पंख देने के लिये तत्पर हैं। उन्होंने सभी निवेशकों को भोपाल में 24-25 फरवरी को आयोजित होने जा रही गलोबल इन्वेस्टर्स समिट में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया।

म.प्र. में कल्याण की भावना से होती है उद्यमिता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीत 'अपने लिये जिये तो क्या जिये....' को उद्धृत करते हुए कहा कि उद्योगपित मात्र अपने व्यापारिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि सैकड़ों लोगों के जीविकोपार्जन में सहयोग कर लोगों की समस्याओं का समाधान करते हैं। उन्होंने कहा कि जापान और भारत के जीवन मूल्य एक जैसे ही हैं। हमारे यहां श्रमिकों के कल्याण की भावना के साथ उद्यमिता होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निवेश और निवेशकों के साथ हम कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। हम आपके सपनों को उड़ान देने को तैयार हैं।

जापान हर संकट और हर दौर में हमारे साथ खड़ा रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जापान हर संकट और हर दौर में हमारे साथ खड़ा रहा है। इसलिए हमारे देश एवं प्रदेश में जिन जापानी उद्योग समूहों ने निवेश किया वह हमारे निकट मित्र बन कर आज भी हमारे साथ हैं। हम अपनी 25 से अधिक नीतियों के साथ निवेशकों को लाभ देने के लिए जापान के सभी उद्योग समूहों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि हम निवेश के इच्छुक उद्यमियों के लिए और भी नीतियां लागू कर सकते हैं, यहां तक कि उनकी निवेश लागत का 200 प्रतिशत तक वापस करने के लिए भी तैयार हैं।

मध्यप्रदेश विभिन्न सेक्टर्स में निवेशकों के स्वागत को तत्पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओसाका के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश करने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में फूड, आईटी, स्पाइस, प्लास्टिक, मेडिकल विपमेंट, डिवाइस, सोलर इक्विपमेंट, फुटवियर, ईवी, फार्मा, टेक्स्टाइल सहित 300 से अधिक प्रकार के पार्क्स और गार्मेंट इकाइयों के लिए प्लग-एंड-प्ले जोन एवं सेमीकंडक्टर पार्क स्थापित किये गए हैं। हमारी नीतियां गार्मेंट, लॉजिस्टिक्स, ईवी, खाद्य प्र-संस्करण, इथेनॉल, आईटी, फार्म और मेडिकल डिवाइसेज में निवेश को आकर्षित करने लिए अनुकूल हैं। मध्यप्रदेश में मेडिकल कॉलेज स्थापना के लिये निशुल्क जमीन और पर्यटन के क्षेत्र में 40 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। भारत के महा वाणिज्यदूत श्री चंद्रू अप्पार ने स्वागत उदबोधन दिया। जेट्रो ओसाका के महानिदेशक श्री हिदेकी शो ने मध्यप्रदेश में निवेश के लिये प्रस्ताव रखे। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने पर्यटन, आईटी, माईनिंग एवं नवकरणीय ऊर्जा के सेक्टर में मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश अवसरों पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। यहां सांस्कृतिक, धार्मिक, प्राकृतिक एवं पुरातात्विक पर्यटन की अपार संभावनाएं है। यहां भगवान बुद्ध से संबंधित साँची, 24 सैंक्चुअरी, 12 नेशनल पार्क, 9 टाइगर रिजर्व हैं, 4 यूनेस्को की हेरिटेज साइट और 2 ज्योतिर्लिंग हैं। उन्होंने कहा कि आईटी/आईटीईएस एवं ईएसडीएम सेक्टर में निवेश की अपार संभावनाएं हैं।

उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में आईटी हब के लिए राज्य में एआई तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र, उद्यमशीलता संस्कृति, सरकारी की नीतियां, तकनीकी रूप से कुशल कार्यबल, व्यवसाय में कम से मध्यम जोखिम, बुनियादी ढांचा और बेहतर कनेक्टिविटी और ईज ऑफ लिविंग और कार्य जीवन संतुलन बेहतर हैं। एसीएस डॉ. राजौरा ने बताया कि मध्यप्रदेश में माइनिंग सेक्टर में निवेश की संभावनाओं पर जानकारी देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जहां विविध प्रकार के खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। प्रदेश हीरा, कॉपर अयस्क और मैंगनीज के उत्पादन में देश में पहले स्थान पर है, जबकि चूना पत्थर और रॉक फॉस्फेट में दूसरे स्थान पर है। इसके अलावा, कोयला, बॉक्साइट और ग्रेफाइट जैसे खनिजों के समृद्ध भंडार भी हैं। मध्यप्रदेश में हीरे और सोने की भूमि है। डॉ. राजौरा ने बताया कि राज्य में नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2012 से 2024 तक राज्य में नवकरणीय ऊर्जा की क्षमता में 491 मेगावाट से 6418 मेगावाट की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में आने वाले वर्षों में ऊर्जा मुख्यत: नवकरणीय ऊर्जा पर आधारित होगी। प्रदेश में सोलर, विंड, हाइड्रो एवं बायोमास आगामी ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से कार्य हो रहा है।

प्रमुख सचिव उद्योग श्री सिंह ने खनिज क्षेत्र का दिया प्रस्तुतिकरण

प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्द्धन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश क्षेत्रफल में देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है और वन क्षेत्र के मामले में पहले स्थान पर है। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादक राज्य भी है। साथ ही मध्यप्रदेश तांबा, मैंगनीज, मोलिब्डेनम और हीरे के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। इंदौर सबसे स्वच्छ शहर और सबसे स्वच्छ राजधानी का भोपाल को सम्मान मिला। स्वच्छता के मामले में यह भारत का दूसरा सबसे स्वच्छ राज्य है। इसके अलावा यह देश का 5वां सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य है, जो एक विशाल कंज्यूमर मार्केट प्रदान करता है।

पीर पराई जाने रे... भक्ति संध्या कार्यक्रम में हुए शामिल-माधवास रॉक बैंड, वृंदावन की प्रस्तुति से भक्तिमय हुआ रवीन्द्र भवन परिसर

लंबे संघर्ष से मिली आजादी के प्रति कृतज्ञ होकर सभी राष्ट्र के विकास के लिये करें कार्य- उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल-(आरएनएस)उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि है। जब भी हम बापू जी को याद करते हैं तो भूत हमें याद आता है। देश में लंबे समय गुलामी रही। अभी देश को आज हुए बहुत ज्यादा वर्ष नहीं हुए हैं। हमारे देश में सात सौ वर्ष की गुलामी रही है। लंबे संघर्ष से मिली आजादी के प्रति कृतज्ञ होकर हम सभी को देश के विकास और समृद्धि के लिए योगदान देना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वराज संचालनालय द्वारा रवीन्द्र भवन भोपाल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित पीर पराई जाने रे... भक्ति संध्या कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने महात्मा गांधी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पण कर उनके पुण्य योगदान को स्मरण और नमन किया।

पद्मश्री पुरस्कार के लिए नामित वरिष्ठ कलाकार श्री हरचंदन सिंह भट्टी का किया सम्मान उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वराज संस्थान संचालनालय एवं धर्मपाल शोधपीठ द्वारा प्रकाशित पुस्तक भारत की आत्म निर्भरता गांधीजी के विचार का विमोचन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पद्मश्री पुरस्कार के लिए नामित शहर के वरिष्ठ कलाकार श्री हरचंदन सिंह भट्टी का सम्मान किया।

उन्होंने उत्कृष्ट कला से मंत्रमुग्ध करने वाले सभी कलाकारों की सराहना की।

प्रमुख सचिव, संस्कृति श्री शिवशेखर शुक्ला ने लोकरंग कार्यक्रम की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण देते हुए बताया कि इस मंच के माध्यम से विगत दिनों कलाकारों द्वारा अनेकता में एकता का संदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विविधताओं के साथ वीर शहीदों की शौर्य गाथा को समाहित कर कार्यक्रम में शहीदों को श्रद्धांजलि और युवाओं को राष्ट्र के प्रति योगदान देने के लिए प्रेरित करने के प्रयास किये गए हैं। कार्यक्रम में प्रख्यात माधवास रॉक बैण्ड वृंदावन के कलाकारों द्वारा भक्ति संगीत की प्रस्तुति दी गई। उन्होंने मेरे बाँके बिहारी लाल...मीठे रस से भरियो री राधारानी... वृंदावन में डोलोगे तो राधे-राधे बोलोगे...आली री मोहे लागे वृंदावन नीको... जय राधामाधव... गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो... तेरी मिट्टी में मिल मिल जावा...आज बिरज में होली रे... जैसे कई गीतों की प्रस्तुति दी।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जीवन कुष्ठ रोगियों की सेवा, भेदभाव और छुआछूत को दूर करने के लिए रहा समर्पित- राज्य मंत्री श्रीमती गौर

भोपाल (आरएनएस) राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमंतु और अर्धघुमंतु कल्याण विभाग श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जीवन कुष्ठ रोगियों की सेवा, भेदभाव और छुआछूत को दूर करने के लिए समर्पित रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निरंतर प्रयासों से गांधी जी के स्वच्छता के विचारों को आज देश में आदत के रूप में अपनाया जा चुका है। राज्य मंत्री श्रीमती गौर और राज्य मंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने सिविल अस्पताल हताईखेड़ा गोविंदपुरा में कुष्ठ जागरूकता पखवाड़े का शुभारंभ किया। उपस्थित जनों ने कुष्ठ जागरूकता और उन्मूलन के लिए संकल्प वाचन किया। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को ग्रिप ऐड एवं पदरक्षक का वितरण किया। कार्यक्रम में कुष्ठ रोग से ठीक हो चुके व्यक्तियों ने अपने अनुभव साझा किए। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि सिविल अस्पताल हताईखेड़ा गोविंदपुरा क्षेत्र में एक सौगात के रूप में स्थापित हुआ है । इस 100 बिस्तरीय अस्पताल में सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने सिविल अस्पताल गोविंदपुरा के इमरजेंसी विभाग, प्रसूति वार्ड, पी एन सी वार्ड एवं पोषण पुनर्वास केंद्र का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की शुरुआत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की फोटो पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर की गई। उपस्थित जनों ने शहीदों की स्मृति में मौन धारण कर स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान देने वाले शहीदों को याद किया।

अमानक तारों का उपयोग करने वालों पर होगी कड़ी कार्यवाही

भोपाल-(आरएनएस) मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के मुरैना में विद्युत लाइन से सीधे बिजली चोरी तथा अवैध और अनधिकृत विद्युत का उपयोग रोकने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों के तहत कंपनी द्वारा भेजे गए पत्र पर संज्ञान लेते हुए जिला दण?डाधिकारी मुरैना ने अमानक तारों के उपयोग से होने वाली विद्युत दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए अवैधानिक रूप से विद्युत के उपयोग में अमानक स्तर तथा सफेद तारों का बिजली लाइन के रूप में उपयोग को तत?काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया है। साथ ही जिला दंडाधिकारी ने मुरैना जिले की सीमा क्षेत्र में अमानक तारों को तत्काल प्रभाव से हटाने के भी निर्देश जारी करते हुए प्रतिबंधित अमानक सफेद तारों का उपयोग करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 तथा अन्य अधिनियमों के अंतर्गत कार्रवाई करने के निर्देश दिये है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अमानक सफेद तारों का उपयोग न करें तथा नियमानुसार वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। साथ ही अपने बकाया बिजली बिलों तथा वर्तमान देयकों का समय पर भुगतान सुनिश्चित करें।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने दी ऊर्जा विभाग की उपलब्धियों की जानकारी

केन्द्रीय विद्युत राज्य मंत्री नायक के साथ हुई मंत्री समूह की पहली बैठक

भोपाल-(आरएनएस) केन्द्रीय विद्युत राज्य मंत्री श्री श्रीपद येसो नायक की अध्यक्षता में मंत्री समूह की पहली बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित की गयी। मंत्री समूह में मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, उत्तर प्रदेश के मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा, आन्ध्र प्रदेश के मंत्री श्री गोट्टिपती रवि कुमार, राजस्थान के मंत्री श्री हीरालाल नागर, तमिलनाडु के मंत्री श्री थिरु.वी. सेन्थीबालाजी और महाराष्ट्र की मंत्री श्रीमती मेघना दीपक शामिल हुईं। सचिव ऊर्जा श्री पंकज अग्रवाल भी बैठक में उपस्थित थे। बैठक में ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि प्रदेश में लगभग एक करोड़ 80 लाख विद्युत उपभोक्ता हैं और प्रति व्यक्ति विद्युत खपत लगभग 1 283 यूनिट है। प्रदेश की कुल उपलब्ध क्षमता 23 हजार 789 मेगावॉट है। इसमें नवकरणीय विद्युत क्षमता 7 हजार 100 मेगावॉट है। दिसम्बर माह में प्रदेश की अधिकतम माँग 19 हजार 72 मेगावॉट की सफलतापूर्वक पूर्ति की गयी। प्रदेश में लगभग 35 लाख कृषि उपभोक्ता हैं। इनका प्रदेश की जीडीपी में लगभग 45 प्रतिशत का योगदान है। लगभग 60 प्रतिशत उपभोक्ता ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत हैं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के महत्वाकांक्षी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा सौर ऊर्जा को बढ़ाने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा फ्लेक्सी प्लॉन के माध्यम से कृषि क्षेत्र की ऊर्जा माँग को दिन के समय सस्ती सौर ऊर्जा से पूर्ति के प्रयास किये जा रहे हैं।

गेहूँ उपार्जन के लिये 31 मार्च तक होगा पंजीयन-खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल-(आरएनएस) खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि किसान 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने बताया है कि वर्ष 2025-26 के लिए गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये घोषित किया गया है। यह गत वर्ष से 150 रूपये अधिक है। मंत्री श्री राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि गेहूँ की विक्री के लिए समय-सीमा में पंजीयन जरूर करायें। अभी तक किसानों द्वारा गेहूँ के समर्थन मूल्य पर बिक्री के लिये ऑनलाइन पंजीयन किया जा रहा है। अभी तक 28 हजार 677 किसानों ने पंजीयन कराया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए जिला सीहोर में 6122, उज्जैन में 5196, इंदोर में 4580, देवास में 2309, धार में 2286, शाजापुर में 1786, रतलाम में 1147, नर्मदापुरम 730, विदिशा 684, रायसेन 650, भोपाल में 609, राजगढ़ में 451, आगर मालवा में 244, बैतूल में 224, झाबुआ में 210, टीकमगढ़ में 179, मंदसौर में 158, खंडवा में 151, मंडला में 141, खरगौन में 127, नीमच में 91, हरदा में 102, नरसिंहपुर में 86, छतरपुर में 82, मुरैना में 59, सागर में 37, शहडोल में 35, दतिया में 32, निवाड़ी में 29, छिन्दवाड़ा में 28, सीधी में 24, सिंगरौली में 19, श्योपुर में 11, बड़वानी में 9, रीवा में 9, अशोक नगर में 5, सिवनी में 7, उमरिया में 6, अनूपपुर में 5, अलीराजपुर में 4, ग्वालियर में 4, दमोह में 3, बुरहानपुर में 2 डिण्डोरी में 2, सतना में 1 और पन्ना में 1 किसान

केएफडब्ल्यू प्रतिनिधि मंडल ने किया सीवरेज परियोजनाओं का निरीक्षण

भोपाल (आरएनएस) जर्मन बैंक केएफडब्लयू के प्रतिनिधि मंडल ने मंडला, नरसिंहपुर और नर्मदापुरम शहर की सीवरेज परियोजना के कार्यों का निरीक्षण किया। प्रतिनिधियों ने तीनों नगरों की सीवरेज परियोजना से जुड़े विभिन्न घटकों का मुआयना कर कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि कार्य में आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए सूक्ष्म योजना बनाकर कार्य किया जाये। केएफडब्लयू टीम ने निर्माण कार्य में श्रमिकों की सुरक्षा से जुड़े बिन्दुओं पर भी निर्देश दिए। प्रतिनिधि मंडल ने सीवरेज जागरूकता के लिए एनजीओ कल्पतरू द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत मंडला,नरसिंहपुर और नर्मदापुरम के विद्यालयों में आयेजित नुक्कड नाटकों को भी देखा और छात्रों को सीवरेज कनेक्शन की महत्ता भी समझाई। प्रदेश की जीवन रेखा माँ नर्मदा नदी को स्वच्छ रखने के प्रयासों में जर्मन बैंक केएफडब्ल्यू के सहयोग से नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा मंडला, नरसिंहपुर और नर्मदापुरम में सीवरेज परियेजना पर कार्य किया जा रहा है। मंडला सीवरेज परियोजना की लागत लगभग 126 करोड़ रूपये, नरसिंपुर सीवरेज परियोजना की लागत 137 करोड़ रूपये और नर्मदापुरम सीवरेज परियोजना की लागत 159 करोड़ रूपये है। इन तीनों नगरों की सीवरेज परियोजनाओं के माध्यम से 2 लाख 78 से अधिक की आबादी लाभन्वित होगी। केएफडब्ल्यू प्रतिनिधि मंडल में सलाहकार श्री अनिल मित्तल और शहरी विशेषज्ञ श्री राहुल मनकोटिया शामिल रहे।

उप मुख्यमंत्री देवडा ने 3 करोड़ की लागत से निर्मित पिपलिया मंडी सर्किट हाउस का लोकार्पण किया

निक्षय मित्र बने और टीबी मरीजों को फूड बास्केट प्रदान कर पुण्य का काम करें- उप मुख्यमंत्री देवड़ा

भोपाल(आरएनएस) उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने पिपलिया मंडी में 3 करोड़ 14 लाख 80 हजार रुपए की लागत से निर्मित नवीन विश्रामगृह एवं दो नग आई टाइप आवास गृह का लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे भारत में टीबी मुक्त भारत अभियान चल रहा है। इसके लिए सभी निक्षय मित्र बने। टीबी मरीजों को गोद ले और मरीजों को फूड बास्केट प्रदान कर पुण्य का काम करें। इस कार्य में हम सभी को सहयोग करना है।लोकार्पण अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, श्री राजेश दीक्षित, जनपद अध्यक्षा श्रीमती इंदिरा, उपाध्यक्ष श्री भरत सिंह, मल्हारगढ़ जनपद अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा पाटीदार सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, विकासखंड स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी, बड़ी संख्या में आम नागरिक, पत्रकार मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि देश की जनता की ताकत को आधार बनाकर देश को विश्व गुरु के स्थान पर लाने का संकल्प सरकार ने लिया है। प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया है कि 2047 में देश विश्व की सबसे बड़ी ताकत होगी। 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होंगे। इसके लिए सरकार ने आगामी 25 साल का रोड मैप बनाया। 25 साल बाद देश कैसा होगा यह सरकार ने संकल्प लिया। आर्थिक रूप से देश संपन्न होगा विश्व की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति होगी। मंदसौर में औद्योगिक निवेश हो इस पर लगातार कोशिश की जा रही है। छुट्टी हुई सड़कों को बजट में लिया जा रहा है। कोई भी परिवार बिना मकान के नहीं रहेगा। सभी को समान अधिकार प्रदान किया जा रहे हैं। सरकार युवा, गरीब, किसान, महिलाओं पर विशेष तौर पर काम कर रही हैं। हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं। जिससे आसानी से गरीब व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके। पूरे देश में एक जैसी व्यवस्था हो, किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं हो, इस पर सरकार ने काम किया है। आयुष्मान कार्ड ने गरीबों को जिंदगी प्रदान की है। उनके जीवन को बचाया है। मल्हारगढ़ सुक्ष्म सिंचाई परियोजना पर काम चल रहा है। इससे एक-एक खेत तक सिंचाई का पानी पहुंचेगा। अब किसान एक साल में तीन फसल की पैदावार कर सकेगा। जिससे किसानों के पास पैसा आएगा, पैसा बाजार में जाएगा उससे देश समृद्ध होगा। जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती पाटीदार द्वारा कहा गया कि विकास का काम सरकार ने लगातार किया है। सबका साथ सबके विकास के मूल मंत्र के आधार पर सरकार ने काम किया है। अंत्योदय के सिद्धांत को अपनाया है। रोटी, कपड़ा, मकान हर आधारभूत सुविधाएं गरीब व्यक्तियों प्रदान की है।

पूजा हमेशा पूर्व या उत्तर की ओर मुँह करके करनी चाहिये, हो सके तो सुबह 6 से 8 बजे के बीच में करें. पूजा जमीन पर आसन पर बैठकर ही करनी चाहिए, पूजा गृह में सुबह एवं शाम को दीपक,एक घी का और एक तेल का रखें. पूजा अर्चना होने के बाद उसी जगह पर खड़े होकर 3 परिक्रमाएँ करें. पूजाघर में मूर्तियाँ 1 ,3 , 5 , 7 , 9 ,11 इंच तक की होनी चाहिये, इससे बड़ी नहीं तथा खड़े हुए गणेश जी, सरस्वतीजी, लक्ष्मीजी, की मूर्तियाँ घर में नहीं होनी चाहिये. गणेश या देवी की प्रतिमा तीन, तीन शिवलिंग, दो शालिग्राम, दो सूर्य प्रतिमा, दो गोमती चक्र. दो की संख्या में कदापि न रखें.

जातीय जनगणना की मांग

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातीय जनगणना कराए जाने की मांग को दोहराते हुए कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आने के बाद किसी भी कीमत जातीय जनगणना करवा कर रहेगी। पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन' को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि इस बाबत उन्होंने संसद में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में स्पष्ट कहा है कि संविधान को कमजोर करने और हाशिए पर पड़े समुदायों की अनदेखी नहीं करने दी जा सकती। राहुल आरोप लगा चुके हैं कि भाजपा और आरएसएस यह कृत्य कर रहे हैं। यह भी आरोप लगा चुके हैं कि संघ प्रमुख मोहन भागवत का %सच्ची आजादी' वाला बयान %देश के संविधान के खिलाफ है'। बेशक, आर्थिक प्रगति में समाज के हर हिस्से की भागीदारी होना जरूरी है। इसी से समावेशी समाज की परिकल्पना मूर्ताकार हो सकती है, लेकिन हकीकत यह है कि समाज का एक बड़ा हिस्सा प्रगति में हिस्सेदार नहीं बन सका है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भी इस तरफ ध्यान दिलाया है। दलितों, अल्पसंख्यकों और सामाजिक रूप से हाशिए पर रह रहे समुदायों की आबादी देश की कुल जनसंख्या का नब्बे फीसद हैं, लेकिन वे व्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं..यही कारण है कि हम जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं' यह ध्यान दिलाते हुए राहुल ने बिहार में की गई जाति आधारित गणना को %फर्जी' करार दिया। कहा कि यह लोगों को बेवकूफ बनाने वाली है।' ऐसा है तो राहुल को सबसे पहले कांग्रेस शासित राज्यों और कांग्रेस के गठबंधन वाली सरकार शासित राज्य में भी जाति आधारित जनगणना कराई जानी चाहिए। बिहार में जातीय गणना की गई थी न किी जातीय जनगणना, लेकिन इस तकनीकी पचड़े में न भी पड़ें तो इतना तो साफ है कि जातियों और समुदायों की वास्तविक संख्या का आंकड़ा न होने पर उनके लिए कल्याणकारी कार्यक्रम और योजनाओं का क्रियान्वयन बेमानी रहता है,

30 लोगों की मौत बड़ी खबर है या 30 करोड़ लोगों का सकुशल स्नान करना बड़ी बात है?

महाकुंभ मेले में मौनी अमावस्या पर्व पर मची भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मृत्यु होना बहुत दुखद खबर है। लेकिन इस हादसे के बावजूद आठ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने उसी दिन स्नान किया और सकुशल वापस घर गये यह उत्तर प्रदेश प्रशासन की एक बड़ी उपलब्धि भी है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले की आबादी देखें तो वह लगभग 60 लाख के आसपास है। कुम्भ मेले में अब तक आ चुके श्रद्धालुओं का आंकड़ा देखें तो वह 30 करोड़ के पास पहुँचने वाला है। योगी सरकार का आकलन है कि 26 फरवरी तक चलने वाले धरती के इस सबसे बड़े मेले में 45 करोड़ के आसपास लोग आयेंगे। ऐसे में आप कल्पना करके देखिये कि इतनी बड़ी भीड़ को संभालने और उनके लिए तमाम तरह की व्यवस्थाएं करने के लिए प्रशासन ने कितने समय से कितने प्रयास किये होंगे।

भगदड़ की एक घटना को लेकर पूरी व्यवस्था पर प्रश्न उठाने वालों को यह भी देखना चाहिए कि मौनी अमावस्या से पहले ही रात को लगभग पांच करोड़ लोग सकुशल स्नान कर चुके थे और घटना के बाद भी आठ करोड़ लोगों ने सकुशल स्नान किया था। इससे पहले के अमृत स्नान के दौरान भी लगभग पांच करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया था लेकिन किसी को खरोंच तक नहीं आई थी। जिन लोगों को एक दिन में एक जगह पर आठ से दस करोड़ लोगों का स्नान करना मामूली बात लगती है उन्हें पता होना चाहिए कि यह संख्या कई देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है।

आपने देखा होगा कि भगदड़ की घटना की खबर मिलते ही विपक्ष के कई नेता इतनी तेजी से बयान जारी करने लग गये थे जैसे कि वह पहले से टाइप करके रखा गया था और किसी हादसे की प्रतीक्षा की जा रही थी ताकि योगी सरकार को घेरा जा सके। कुछ मीडिया संस्थानों ने भी सनसनी फैलाने में देरी नहीं लगाई और अपनी जिम्मेदारी को नहीं समझते हुए सिर्फ अव्यवस्था संबंधी खबरें चलाईं। जबकि सच्चाई यह थी कि घटना के कुछ ही मिनटों के भीतर हालात पर काबू पाया जा चुका था और इसी का परिणाम था कि पूरे दिन स्नान सुचारू रूप से चला और आज भी करोड़ों लोग अब तक डुबकी लगा चुके हैं और सरकार के इंतजामों की तारीफ कर रहे हैं।

कुछ लोगों ने सोशल मीडिया और मीडिया के मंचों से सवाल उठाया कि जब यूपी सरकार सुबह-शाम श्रद्धालुओं की संख्या के आंकड़े जारी कर रही है तो उसे सुबह मारे गये श्रद्धालुओं की संख्या बताने में सोलह घंटे क्यों लग गये? ऐसे लोगों को समझना होगा कि महाकुंभ मेले में आ रहे श्रद्धालुओं की गिनती के लिए एआई कैमरों सहित तमाम तरह की तकनीक की मदद ली जा रही है और भगदड़ में मारे गये लोगों की संख्या बताने में समय इसलिए लगा होगा क्योंकि मौत का आंकड़ा किसी की मृत्यु के बाद ही बताया जाता है। यदि आपने घटना के बाद के वीडियो देखें हों तो उसमें साफ प्रदर्शित हो रहा है कि घायल अवस्था में कई लोगों को एम्बुलेंसे ग्रीन कॉरिडोर बनाकर तेजी से अस्पताल ले जा रही हैं। यूपी सरकार सुबह से ही कह रही थी कि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हो सकता है कि किसी की इलाज के दौरान मृत्यु हुई हो या किसी की अस्पताल लाये जाने के दौरान ही मृत्यु हो गयी हो। यह भी सर्वविदित है कि जब तक डॉक्टर किसी को मृत घोषित नहीं कर देते और उसकी पहचान तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी नहीं हो जातीं तब तक आंकड़े सामने नहीं आते। यहां यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एक हादसा जो हो चुका था उसके बारे में उस समय ज्यादा जानकारी देने से यदि हालात बिगड़ जाते तो और भी हादसे हो सकते थे क्योंकि करोड़ों की संख्या में लोग एक जगह पर मौजूद थे।

30 श्रद्धालुओं की मौत होना हृदय विदारक है और मृतकों के परिजनों की दशा समझी जा सकती है लेकिन हमें यह भी देखना होगा कि अब तक 30 करोड़ लोग सकुशल स्नान करके जा चुके हैं। देखा जाये तो कुंभ मेले की बड़ी तस्वीर भगदड़ की एक घटना की नहीं बल्कि यहां करोड़ों की संख्या में उत्साह के साथ स्नान कर बिना किसी नुकसान के जा चुके श्रद्धालुओं की है। यहां हमें यह भी समझना होगा कि भगदड़ या भूकंप या दुर्घटनाओं या हत्याओं से होने वाली मौतों पर प्रतिक्रिया करते समय या उससे संबंधित समाचार दिखाते समय हमें संयम बरतना चाहिए। बहरहाल, निश्चित रूप से कुंभ भगदड़ बड़ी खबर है। लेकिन भारत जैसे भीड़भाड़ वाले देश में भगदड़ से होने वाली मौतें विभिन्न बीमारियों और कारणों से होने वाली कुल मौतों का केवल एक अंश मात्र हैं। अल्जाइमर दुनिया भर में मौत का सातवां प्रमुख कारण है। लेकिन इस बीमारी से होने वाली मौतें कभी भी पेज-1 की खबर नहीं बनती ना ही कोई मीडिया चैनल इस पर प्राइम टाइम में या अन्य समय पर खबर दिखाता है। भारत में सड़क दुर्घटनाओं और तमाम तरह की बीमारियों से होने वाली मौतों की संख्या बढ़ती जा रही है लेकिन वह कभी बड़ी खबर इसलिए नहीं बनती क्योंकि इसमें किसी को राजनीति करने का मौका नहीं मिलता।

दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू

ऋतुपर्ण दवे

दरअसल, दिल्ली विधानसभा चुनाव, गठन के बाद से ही बेहद अलग, दिलचस्प और इतर राजनीतिक पहचान को लेकर चर्चित रहे हैं। यह सही है कि मौजूदा सरकार के सुप्रीमो केजरीवाल जैसी मुफ्त की रेवड़ियों का वादा सभी पार्टियां और राज्य न केवल करने लगे हैं बल्कि पूरा भी करते हैं।

ऐसे में इस बार के चुनाव वाकई दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू जैसे होंगे। इतना है कि इस बार मुकाबला न केवल कांटे का बल्कि त्रिकोणीय सा बनता जा रहा है, लेकिन यह भी सच है कि सरकार किसी की बने लुभावनी योजनाओं का अंबार होगा। इससे दिल्ली की कितनी तकदीर बदलेगी यही देखने लायक होगा।

दिल्ली का चुनावी सफर भी दिलचस्प है। 1952 में पहली बार राज्य विधानसभा का गठन हुआ तब 48 सीटें थीं। कांग्रेस ने 36 सीटों पर जबरदस्त जीत दर्ज की। 34 वर्ष के चौधरी ब्रह्म प्रकाश मुख्यमंत्री बने जो नेहरू जी की पसंद थे। दरअसल, कांग्रेस देशबंधु गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना चाह रही थी, लेकिन एक हादसे में उनकी मृत्यु के चलते ब्रह्म प्रकाश एक्सीडेण्टल मुख्यमंत्री बने। बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रेवाड़ी के निवासी ब्रम्ह प्रकाश कभी भी मुख्यमंत्री आवास में नहीं रहे। इस बीच काफी कुछ बदला। 1993 में भाजपा बहुमत में आई। मदन लाल खुराना मुख्यमंत्री बने और 1956 के बाद दिल्ली को कोई मुख्यमंत्री मिला, लेकिन 5 साल में 3 मुख्यमंत्री बदले गए।

खुराना को घोटाले के आरोपों के चलते कुर्सी छोड़नी पड़ी फिर साहिब सिंह वर्मा आए और महंगाई के मुद्दे पर ऐसे घिरे कि उन्हें भी इस्तीफा देना पड़ा। इनके बाद सुषमा स्वराज को कमान मिली जो महज 52 दिन मुख्यमंत्री रहीं। 1998 के चुनाव में भाजपा ने सुषमा स्वराज को तो कांग्रेस ने शीला दीक्षित को आगे किया।

प्रयागराज महाकुंभ के हृदयविदारक हादसे के लिए जिम्मेदार कौन?

हालांकि, इस पूरे महाआयोजन की रिपोर्टिंग करने वहां पहुंचे पत्रकारों ने भी यदि श्रद्धालुओं की आवागमन सम्बन्धी बैरिकेटिंग, संगम नोज पर ठहरने और स्नान स्थल की कमी तथा रहन-सहन सम्बन्धी कमियों को पहले ही उजागर कर दिया होता तो प्रशासन को भी संभलने का मौका मिल जाता।

प्रयागराज महाकुंभ के दौरान मौनी अमावस्या ब्रह्ममुहूर्त स्नान से ठीक पहले संगम नोज पर जुटी बेकाबू भीड़ की आपाधापी से जो भगदड़ मची और हृदय विदारक घटना घटी, उससे सनातन धर्म पुन: कलंकित हुआ है। इस अप्रत्याशित हादसे से एक बार फिर हमारा %धर्म अनुशासन% सवालों के घेरे में आ चुका है। साथ ही साथ भीड़ प्रबंधन सम्बन्धी प्रशासनिक तैयारियां भी, जिसको लेकर लाख प्रशासनिक दावे होते रहे हैं, जबकि एकाध घटनाएं ही उसकी तैयारियों की पूरी पोल खोल देती हैं।

इसलिए सुलगता सवाल है कि प्रयागराज महाकुंभ में भीड़ प्रबंधन की विफलता से हुए हृदयविदारक हादसे के लिए जवाबदेह कौन है? जिम्मेदार कौन है? आखिर ब्रेक के बाद जहां-तहां होते रहने वाली ऐसी रूह कंपा देने वाली घटनाओं को रोकने में हमारा प्रशासन अबतक नाकाम क्यों है और वह कबतक सक्षम हो पाएगा? या फिर कभी नहीं हो पाएगा, क्योंकि ऐसे मामलों में उसका ट्रैक रिकॉर्ड हमेशा खराब प्रतीत हुआ है।

फिलवक्त योगी सरकार ने प्रयागराज महाकुंभ हादसे की न्यायिक जांच करवाने के आदेश दे दिए हैं, ताकि यह पता चल सके कि इतनी बड़ी प्रशासनिक चूक कैसे हुई और उसके लिए कौन-कौन लोग जिम्मेदार है? क्योंकि इतने महत्वपूर्ण वैश्विक आयोजन में पहले हुईं अग्निकांड की घटनाएं और फिर अनियंत्रित भीड़ से मची भगदड़ के चलते वहां की पूरी प्रशासनिक तैयारी भी एक बार पुन: सवालों के घेरे में आ चुकी है।

कहना न होगा कि वहां जो कुछ भी हुआ, वह भीड़ प्रबंधन सम्बन्धी प्रशासनिक विवेक के अकाल का परिचायक तो है ही, साथ ही साथ उसके त्वरित निर्णय लेने की क्षमता की अक्षमता को भी उजागर कर चुका है। जबकि वहां सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन और हेलीकॉप्टर तक से निगहबानी हो रही है, ताकि त्वरित निर्णय लेते हुए स्थिति पर काबू पाया जा सके। वहीं, सवाल यह भी है कि इस हादसे के बाद आवागमन व वीआईपी व्यवस्था सम्बन्धी जो नीतिगत बदलाव किए गए, वह पहले ही क्यों नहीं किए गए? चूंकि महाकुंभ सम्बन्धी तैयारियां महीनों पहले से चल रही थीं और करोड़ों लोगों के जुटने के पूर्वानुमान भी लगाए जा चुके थे। फिर भी वहां हुई प्रशासनिक तैयारी तो नाकाफी लगी ही, साथ ही साथ श्रद्धालुओं के लिए कष्ट प्रदायक भी महसूस हुई। क्योंकि उनमें बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और विकलांग लोगों की सहूलियत का कोई ख्याल नहीं रखा गया था। इसलिए हताहतों व घायलों की सूची में उनकी संख्या ज्यादा है। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, इस घटना में जहां लगभग 30 श्रद्धालुओं को %अमरत्व% यानी देवलोक प्राप्त हो गया, वहीं लगभग 100 लोग कुचल जाने के कारण घायल हो गए

बसंत पंचमी पर बच्चों से जरूर कराएं ये उपाय, हर क्षेत्र में मिल सकती है सफलता

हिंदू धर्म में बसंत पंचमी का त्योहार विशेष महत्व रखता है। इस दिन मां सरस्वती का प्राकट्स दिवस मनाया जाता है। इस बार 02 फरवरी 2025 को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जा रहा है। धार्मिक शास्त्र के मुताबिक यह दिन कला, शिक्षा और बुद्धि के क्षेत्र में उन्नति के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन मां सरस्वती की विधि-विधान से पूजा की जाती है। वहीं बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा करने के साथ ही बच्चों से भी कुछ विशेष उपाय कराने चाहिए। इससे बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में सफलता और प्रगति मिल सकती है।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको करने से बच्चों की बुद्धि तेज होती है। वह शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

बसंत पंचमी के दिन बच्चों से विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा अवश्य कराएं। पूजा के दौरान बच्चे से मां सरस्वती को पीले फल-फूल और केसर आदि अर्पित कराएं। इसके अलावा मां सरस्वती को मीठे पीले चावल का भोग लगाएं। इस उपाय को करने से विद्या और ज्ञान की देवी मां सरस्वती प्रसन्न होती हैं।

महाकुंभ स्नान में भी राजनीति

अवधेश कुमार

किंतु पहले योगी आदित्यनाथ सरकार की पूरी कैबिनेट का एक साथ संगम में स्नान करना अनेक कारणों से चर्चा और विमर्श का विषय बना। उसके बाद जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव स्नान करने गए तो संपूर्ण मीडिया की दृष्टि उनकी ओर गई। स्नान करती उनकी तस्वीरें और छोटे वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई या की गई।

मकर संक्रांति को हरिद्वार गंगा में स्नान की उनकी तस्वीरें भी इसी तरह वायरल हुई थी। हालांकि उसमें स्नान से ज्यादा सोशल मीडिया पर उनके शरीर सौष्ठव की ज्यादा चर्चा हुई। जब योगी आदित्यनाथ सहित संपूर्ण मंत्रिमंडल ने एक साथ संगम में डुबकी लगाई मां गंगा, यमुना और सरस्वती की पूजा की तथा उसके बाद मुख्यमंत्री के साथ दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक साथ पूजा कर रहे थे तब भी वीडियो और तस्वीरें वायरल हुई। उस समय अखिलेश जी ने महाकुंभ पर राजनीति न करने की प्रतिक्रिया दी। यानी उन्होंने यह संदेश दिया कि भाजपा के मंत्री और नेता महाकुंभ पर राजनीति कर रहे हैं जो ठीक नहीं है। हालांकि उनके स्नान पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने सधी प्रतिक्रिया में कहा कि 'देर आयद दुरुस्त आयद', अखिलेश यादव जी महाकुंभ में पवित्र स्नान किया और उम्मीद है कि अब वह आस्था पर चोट नहीं पहुंचाएंगे। अखिलेश जी को भाजपा के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्रियों मंत्रियों और नेताओं के कुंभ स्नान में राजनीति दिखाई दी तो स्वाभाविक है कि उनके स्नान में भी राजनीति देखी जाएगी। हालांकि स्नान के बाद उन्होंने भाजपा को सहनशील होने की सलाह दी तथा 11 डुबकियों के बारे में उनके एक्स हैंडल पर कुछ अच्छी पंक्तियां लिखी हुई थी। उन्होंने गंगा, यमुना और सरस्वती को साथ मिलकर चलने की प्रेरणा देने वाला भी बताया। क्या वाकई अखिलेश जी के स्नान को इन्हीं सद्भाव, सामाजिक एकता और धार्मिक भावनाओं की परिधि के अंदर मान लिया जाएगा? दरअसल, केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने हिन्दुत्व, धार्मिक आस्था, धर्मस्थलों, कर्मकांडों से लेकर इनसे जुड़े विषयों पर जैसी प्रखरता और सुस्पष्टता दिखाई है उसका असर चारों ओर है। महाकुंभ में निहित हिन्दुत्व की व्यापकता, विशालता, सर्व सामूहिकता तथा भारत की महान अध्यात्म , संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं, सामाजिक- पंथीय-एकता के भावों को संपूर्ण विश्व में प्रचारित-प्रसारित करने और दिखाने की रणनीति अपनाई है उनसे राजनीति अप्रभावित रहे ऐसा संभव नहीं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार किसी सरकार के संपूर्ण मंत्रिमंडल ने महाकुंभ स्नान और वहीं मंत्रिमंडल का बैठक की।

कब मनाई जाएगी रथ सप्तमी, नोट करें सही तिथि और शुभ मुहूर्त

रथ सप्तमी का दिन सूर्य देव को पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना जाता है। द्रिक पंचांग के अनुसार, इस साल 4 फरवरी 2025 को रथ सप्तमी मनाई जाएगी। ज्योतिष के अनुसार, माघ महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि के दिन सूर्य देव अवतरण हुए थे। इसलिए रथ सप्तमी के दिन सूर्यदेव की पूजा करना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से आरोग्यता का वरदान प्राप्त होता है और नौकरी-बिजनस में सफलता प्राप्त होती है। आइए आपको बताते हैं रथ सप्तमी की सही तिथि, शुभ मुहूर्त और पूजा-विधि।

द्रिक पंचांग के मुताबिक, माघ महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरुआत 04 फरवरी को सबुह 4 बजकर 37 मिनट पर होगी और अगले दिन 05 फरवरी को सुबह 02 बजकर 30 मिनट पर समाप्त होगी। उदयातिथि के अनुसार, 04 फरवरी को रथ सप्तमी मनाई जा रही है। इस बार रथ सप्तमी के दिन शुक्ल योग, शुभ योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग समेत 4 शुभ योगों में रथ सप्तमी मनाई जाएगी। 4 फरवरी को सुबह 5 बजकर 23 मिनट से लेकर सुबह 07 बजकर 08 मिनट स्नान का मुहूर्त है।

आखिर कौन लागू करवाएगा दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता?

दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में चीनी दबदबे को नियंत्रित करने के लिए एक आदर्श आचार संहिता लागू करने की मांग सही है, लेकिन वहां पर इसे लागू कौन करवाएगा, इस बात का उत्तर भारत समेत विभिन्न आसियान देशों के पास नहीं है। ये तो सिर्फ वकालत कर रहे हैं कि दक्षिण चीन सागर ऐसा होना चाहिए। जबकि चीन अपनी हठधर्मिता के चलते सैन्य कार्रवाई करने पर उतारू है। इसी दृष्टि से वह लगातार अपनी तैयारी पुख्ता करता जा रहा है। लेकिन उसे रोकने में संयुक्त राष्ट्र संघ भी यहां असहाय प्रतीत हो रहा है।

देखा जाए तो चाहे चीन विरोधी अमेरिका हो या चीन समर्थक रूस या फिर इनके-इनके समर्थक विभिन्न विकसित और विकासशील देश, सबकी नीति इस मामले में अभी तक ढुलमुल ही रही है। इसलिए भारत की भूमिका इस मामले में भी अहम और निर्णायक बताई जा रही है। क्योंकि भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न देशों के बहुत पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध भी हैं। वहीं, वैश्विक दुनियादारी में चीन को संतुलित रखने के लिए भी भारत और आसियान देशों को एक-दूसरे की जरूरत है। इसलिए आशियान देशों के साथ भारत की निकटता जगजाहिर है।

समझा जाता है कि भारत ही अमेरिका और रूस दोनों देशों पर दबाव डालकर आसियान देशों के दक्षिण चीन सागर सम्बन्धी दूरगामी हितों की रक्षा कर सकता है। जानकारों की मानें तो चीन की विस्तारवादी नीति से न केवल भारत बल्कि आशियान देशों के विभिन्न हित प्रभावित हो रहे हैं। उधर, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की चिंता भी किसी से छिपी हुई नहीं है। हालांकि, इन देशों में अमेरिका के बाद भारत ही एक ऐसा मुल्क है जो चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षा को नियंत्रित कर सकता है। इसी नजरिए से क्वाड देशों में भी भारत की भागीदारी प्रमुख है।

इधर भारत-चीन सम्बन्धों में भी %तू डाल-डाल, मैं पात-पात% वाली कहावत चरितार्थ होती है। यही वजह है कि गत 25-26 जनवरी 2025 को भारत ने चीन के खिलाफ एक और बड़ी चाल चलते हुए, दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता लागू करने का आह्वान किया है। वहीं, इसके दूरगामी वैश्विक मायने को समझते हुए इंडोनेशिया जैसे प्रभावशाली देश ने भी भारत का साथ दिया है। उल्लेखनीय है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के 76वें गणतंत्र समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। इसी दौरान हुई विभिन्न बैठकों के क्रम में उपर्युक्त आशय की सहमति बनी है। दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत के बीच भारत और इंडोनेशिया ने प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार इस क्षेत्र में %%पूर्ण और प्रभावी%% आचार संहिता लागू करने की वकालत की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो के बीच गत शनिवार को हुई व्यापक बातचीत में दक्षिण चीन सागर की मौजूदा स्थिति पर भी चर्चा हुई। इस बैठक में दोनों पक्षों ने भारत के हिंद महासागर क्षेत्र स्थित सूचना संलयन केंद्र (इन्फार्मेशन फ्यूजन सेंटर) में इंडोनेशिया से एक संपर्क अधिकारी तैनात करने पर सहमति व्यक्त की।

बता दें कि भारतीय नौसेना ने समान विचारधारा वाले देशों के साथ सहयोगात्मक ढांचे के तहत जहाजों की आवाजाही के साथ-साथ क्षेत्र में अन्य महत्वपूर्ण विकास पर नजर रखने के लिए वर्ष 2018 में गुरुग्राम में इन्फार्मेशन फ्यूजन सेंटर की स्थापना की थी। चूंकि आसियान देश भी दक्षिण चीन सागर पर एक बाध्यकारी आचार संहिता पर जोर दे रहे हैं, क्योंकि चीन द्वारा इस क्षेत्र पर अपने व्यापक दावों को स्थापित करने के लगातार प्रयास जारी हैं।

वहीं, इस मुद्दे पर भारत की अगुवाई में चल रहे कीप एंड बैलेंस की नीति पर चीन का बौखलाना स्वाभाविक है।बीजिंग इस प्रस्तावित आचार संहिता का कड़ा विरोध करता रहा है। वह पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपनी संप्रभुता का दावा करता है, जो हाइड्रोकार्बन का एक बड़ा स्त्रोत है। जबकि, वियतनाम, फिलीपींस और ब्रुनेई सहित कई आसियान सदस्य देशों ने चीन के इस दावे पर आपत्ति जताई है।

गौरतलब है कि एक ओर दक्षिण चीन सागर में जहां चीन अपनी सैन्य ताकत में निरंतर इजाफा करने में जुटा हुआ है, जिससे आसपास के छोटे देश भयभीत हैं। वहीं अब भारत ने चीन के खिलाफ अपनी चाल चलते हुए दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में आचार संहिता लागू करने का आह्वान किया है। सुकून की बात यह है कि भारत को इस मुद्दे पर इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश का भी साथ मिल गया है। जबकि दूसरी तरफ चीन इस क्षेत्र में आचार संहिता का खुलकर विरोध करता है। इसलिए दक्षिण चीन सागर से जुड़े हुए विभिन्न प्रभावित देशों के साथ-साथ भारत और अमेरिका की चिंताएं स्वाभाविक हैं।

बता दें कि अक्टूबर 2024 में भी जब पीएम मोदी ने ईस्ट एशिया सम्मेलन में हिस्सा लिया तो उन्होंने चीन पर इस बाबत निशाना साधा था। इससे एक दिन पहले आसियान-भारत सालाना सम्मेलन में भी उन्होंने चीन की तरफ इशारा करते हुए हिंद प्रशांत क्षेत्र और साउथ चाईना सी को लेकर जो सारी बातें कहीं, वह इस क्षेत्र में आक्रामक रवैया अपना रहे चीन को नागवार गुजर सकती है।

तब पीएम मोदी ने आसियान-भारत सालाना सम्मेलन में दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्र के देशों के भौगोलिक संप्रभुता को समर्थन देकर चीन की तरफ इशारा किया था। वहीं, ईस्ट एशिया सम्मेलन में भी उन्होंने हिंद प्रशांत क्षेत्र और साउथ चाईना सी को लेकर दो टूक चिताएं जताई। मोदी ने समूचे हिंद प्रशांत क्षेत्र को कानून सम्मत बनाते हुए यहां की समुद्री गतिविधियों को संयुक्त राष्ट्र के संबंधित कानून (अनक्लोस) से तय होने की मांग की और साउथ चाईना सी के संदर्भ में एक ठोस व प्रभावी आचार संहिता बनाने की भी बात कही। बता दें कि आसियान के सभी दस सदस्य देश भी इसकी मांग कर रहे हैं। वहीं, एक दिन पहले चीन के प्रधानमंत्री ली शियांग के साथ बैठक में आसियान नेताओं ने इन मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया था। इसके साथ ही भारतीय प्रधानमंत्री ने दुनिया के दूसरे क्षेत्रों में चल रहे तनाव के संदर्भ में कहा, %विश्व के अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का सबसे नकारात्मक प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर हो रहा है।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके व्यापार में सामान्य रूप से आय बना रहेगा। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा।

वृष राशि:आज आपका दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज काम के लिए समय निकालना मुश्किल होगा, लेकिन दोपहर बाद समय मिल जाएगा।

मिथुन राशि: आज आपके लिए अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। आज आपको गतिविधियों को गोपनीय रखना होगा साथ ही आसपास की गतिविधियों को नजरअंदाज ना करें। आज दूसरों से मदद की उम्मीद ना रख कर अपनी कार्य क्षमता पर विश्वास रखें।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए पॉज़िटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी तालमेल बनी रहेगी। सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपने क्षेत्र में अच्छी मेहनत करेंगे।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलोगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आपकी अच्छी सोच का अच्छा नतीजा मिलेगा।

कन्या राशि:आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आज आप पर अधिक जिम्मेदारियां रहेंगी जिन्हें आप काफी हद तक पूरा भी कर लेंगे। नए लोगों से जुड़ने से आपको कई बेहतरीन जानकारियां भी मिलेंगी।

तुला राशि:आज आपका दिन मिला जुला रहने वाला है। आज कारोबारी गतिविधियों को व्यवस्थित करने में अभी और कोशिश करनी होंगी। अपने काम की क्वालिटी को और अधिक बेहतर बनाएंगे।

वृश्चिक राशि: आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जाएगा। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे।

धनु राशि: आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। शिक्षा में सफलता मिलेगी। लेखन आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज किसी पर भी भरोसा करने से पहले सोच विचार अवश्य कर लें।

मकर राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे।

कुंभ राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। आज कार्यस्थल पर चल रही किसी भी गतिविधि को नजरअंदाज ना करें।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है,

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बारे में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसको लेकर सोनिया गांधी पर पलटवा र किया है। नड्डा ने एक्स पर लिखा कि मैं और हर भाजपा कार्यकर्ता सोनिया गांधी द्वारा भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी के लिए 卐बेचारी卐 शब्द के प्रयोग की कड़ी निंदा करते हैं। ऐसे शब्दों का जानबूझकर इस्तेमाल कांग्रेस पार्टी की अभिजात्यवादी, गरीब-विरोधी और आदिवासी-विरोधी प्रकृति को दर्शाता है।

महाकुंभ भगदड़ के बाद यूपी सरकार का फैसला, मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन घोषित, वीवीआईपी पास भी किए गए रद्द

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ने महाकुंभ मेले में मची भगदड़ के बाद पांच मुख्य बदलाव किए हैं। महाकुंभ नगर को नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है यानि किसी भी तरह के वाहन को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर पवित्र स्नान के लिए मेला क्षेत्र में करोड़ों श्रद्धालुओं के उमड़ने के दौरान भगदड़ मच गई थी। इस भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई और 60 अन्य घायल हो गए। घटना को लेकर सरकार ने बताया कि संगम तट पर पहुंचने की कोशिश में श्रद्धालुओं के बैरिकेड्स को धक्का दिए जाने के कारण भगदड़ मची।

इस हादसे के बाद, राज्य सरकार ने पांच प्रमुख बदलावों का फैसला किया, जिन्हें प्रशासन ने लागू कर दिया है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में सभी प्रकार के वाहनों को सख्त वर्जित कर दिया गया है और पूरी तरह से नो-व्हीकल जोन में तब्दील कर दिया गया है। मेला क्षेत्र में वीवीआईपी पास को रद्द कर दिया गया है। किसी भी स्पेशल पास वाहनों को अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुचारू बनाने के लिए एकतरफा यातायात व्यवस्था लागू की गई है। शहर में भीड़भाड़ को कम करने के लिए पड़ोसी जिलों से आने वाले वाहनों को जिले की सीमाओं पर ही रोका जा रहा है।

व्यवस्था बनाए रखने के लिए 4 फरवरी तक शहर में चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा।

इन पांच बदलावों के अलावा, मेला क्षेत्र में भीड़ को अच्छे से मैनेज करने के लिए आईएएस अधिकारी आशीष गोयल और भानु गोस्वामी को तत्काल प्रयागराज पहुंचने का निर्देश दिया गया है। दोनों नौकरशाहों ने विजय किरण के साथ 2019 अर्धकुंभ के सफल प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस आयोजन के दौरान भानु गोस्वामी ने जिला मजिस्ट्रेट और कुंभ मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जबकि आशीष गोयल प्रयागराज के आयुक्त थे, जो प्रबंधन की देखरेख करते थे।

इसके अतिरिक्त, बड़े पैमाने पर आयोजनों को संभालने में पिछले अनुभव वाले पांच विशेष सचिव स्तर के अधिकारियों को महाकुंभ संचालन में सहायता के लिए नियुक्त किया गया है।

त्रासदी के बाद, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और अंतर-विभागीय समन्वय पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई दिशा निर्देश जारी किए।

उन्होंने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा महाकुंभ व्यवस्थाओं की समीक्षा करने का आदेश दिया। एडीजी और प्रयागराज के जिला मजिस्ट्रेट को शहर से सभी भक्तों की सुरक्षित और सुचारू विदाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

देर रात वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सीएम योगी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और कई जिलों के अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने रेल अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। परिवहन निगम को भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त बसें चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि कहीं भी भीड़ का दबाव नहीं बढ़ना चाहिए और सड़कों पर यातायात या लोगों की भीड़ नहीं होनी चाहिए। सड़कों पर कब्जा जमाए बैठे रेहड़ी-पटरी वालों को यातायात में व्यवधान को रोकने के लिए खाली जगहों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि मेला देखने आए लोगों को मेला मैदान में घूमते समय अनावश्यक प्रतिबंधों का सामना न करना पड़े इस पर नजर रखी जाए।

बुधवार को राज्य सरकार ने भगदड़ के कारणों की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग की घोषणा की। इस पैनल में न्यायमूर्ति हर्ष कुमार, पूर्व महानिदेशक वी.के. गुप्ता और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी वी.के. सिंह शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है।

इसरो के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी-एफ15) ने एनवीएस-02 नेविगेशन सैटेलाइट को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से सफलतापूर्वक उड़ान भरी।यह मिशन श्रीहरिकोटा से इसरो का 100वां प्रक्षेपण है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राजघाट पर महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपनी ही सरकार के खिलाफ हुए अनिल विज, बोले- नायब सरकार के खिलाफ करूंगा डल्लेवाल जैसा अनशन

अंबाला (आरएनएस)। हरियाणा के वरिष्ठ मंत्री अनिल विज ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खड़ा कर दिया हैं। विज ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तरह अनशन करने का भी ऐलान कर दिया है।

दरअसल, बिजली एवं परिवहन मंत्री अनिल विज ने हाल ही में अंबाला कैंट सदर थाने के एसएचओ को सस्पेंड करने के आदेश दिए थे। उन्होंने हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर को भी फोन कर कहा था कि मुझे सस्पेंशन ऑर्डर चाहिए। लेकिन एसएचओ को सस्पेंड नहीं किया गया है और वह अभी भी ड्यूटी पर हैं। हरियाणा के गृह विभाग ने एसएचओ को सस्पेंड नहीं किया है। गृह मंत्रालय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पास है। इस से मंत्री अनिल विज बुरी तरह खफा हो गए हैं। विज के गृह जिले में ही उनके आदेश लागू न होने से उनकी छवि पर भी आंच आई है। ऐसे में अनिल विज ने कहा है कि वे अब ग्रीवेंस कमेटी की मीटिंग में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि जब ग्रीवेंस कमेटी की मीटिंग में उनकी ओर से दिए आदेशों को लागू नहीं किया जाता तो फिर मीटिंग में जाने का क्या मतलब है। उन्होंने चेतावनी तक दे डाली कि अगर जरूरत पड़ी तो वे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल की तरह अनशन भी करेंगे। अनिल विज ने कहा कि मैं अंबाला की जनता के हक की लड़ाई लड़ता रहूंगा। अनिल विज ने अंबाला में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अब मैं ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में शामिल नहीं होऊंगा, क्योंकि इस मीटिंग में जारी आदेशों का पालन नहीं होता। ऐसी बैठकों में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे बाकी हरियाणा का तो पता नहीं, लेकिन अंबाला की जनता के हकों के लिए मैं हमेशा लड़ता रहूंगा।

विज ने कहा कि जिस तरह किसानों की मांगों के लिए किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल आमरण अनशन कर रहे हैं, उसी तरह अगर अनशन करना पड़े तो मैं वो भी करूंगा। 23 दिसम्बर को अंबाला कैंट के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री अनिल विज ने जनता दरबार लगाया था। इसमें एक महिला की शिकायत पर एफआईआर न दर्ज करने को लेकर कैंट एसएचओ सतीश कुमार पर विज भड़क गए थे। विज ने एसएचओ से पूछा कि महिला की शिकायत अभी तक दर्ज क्यों नहीं की गई। तू हर चीज में अपनी करता है, तू कौन होता है। पहले एफआईआर दर्ज करो, तेरे अफसर को भी देख लेंगे। पहले शिकायतकर्ता की शिकायत दर्ज करो। विज ने कहा, 'सस्पेंड करो इसको, चल बाहर। नाराज़ विज ने डीजीपी को फोन लगा दिया और एसएचओ को तुरंत सस्पेंड करने के आदेश जारी कर दिए थे।' लेकिन अब तक एसएचओ काम कर रहे हैं। इससे वह भड़क गए हैं और अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन का ऐलान तक कर दिया है।

महाकुंभ हादसे की जांच : न्यायिक आयोग ने शुरू किया काम

लखनऊ (आरएनएस)। महाकुंभ 2025 के दौरान मौनी अमावस्या के अवसर पर बुधवार को प्रयागराज में हुई भगदड़ की घटना की जांच हेतु गठित न्यायिक आयोग ने अपना कार्य प्रारंभ कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ हादसे की जांच के लिए न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की थी। आयोग के सदस्य 10 जनपथ लखनऊ स्थित अपने कार्यालय में पहुंच गए हैं। इस संदर्भ में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है जिसके अनुसार, राज्यपाल की राय है कि 29 जनवरी को महाकुंभ, प्रयागराज में मौनी अमावस्या के दौरान मेला क्षेत्र में हुई भगदड़ की घटना तथा उक्त घटना में कतिपय श्रद्धालुओं की मृत्यु एवं गंभीर रूप से घायल होने की घटना के संबंध में लोकहित में जांच कराना आवश्यक है। इसलिए राज्यपाल द्वारा जांच आयोग अधिनियम द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके तीन-सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया गया है। इस आयोग की अध्यक्षता इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार कर रहे हैं। उनके साथ सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी वी.के. गुप्ता तथा सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डी.के. सिंह बतौर सदस्य शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पार्टी नेताओं सांसद मनोज तिवारी, रा%य भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, उम्मीदवार अजय महावर, कपिल मिश्रा और अन्य के साथ नई दिल्ली में आगामी रा%य विधानसभा चुनावों के लिए करतार नगर में एक बैठक के दौरान।

शादी के लिए 51000 रुपये देगी सरकार, बेटियों के खाते में आएंगे 35 हजार

लखनऊ (आरएनएस)। अब माता-पिता के लिए बेटियों की शादी करने की चिंता दूर हो जाएंगी। जी हां, आप मत्स्य पालक हैं तो आपके लिए एक राहत भरी खबर है। इनकी बेटियों के विवाह के लिए अब रुपये की दिक्कत नहीं आएगी। शादी आपको करनी है, लेकिन 51 हजार रुपये शगुन के रूप में मत्स्य पालक विभाग देगा। इससे पैसे के अभाव में मत्स्य पालकों की बेटियों की शादी नहीं रुकेगी। जनपद में तीन हजार से अधिक मत्सय पालक पंजीकृत है। यह मत्स्य पालक एक बीघे से लेकर आठ बीघे तक के तालाब में मछली पालन करते हैं। इसमें ज्यादातर मत्स्य पालकों की आर्थिक स्थिति कमजोर है। अब ऐसे लोगों को बेटियों की शादी करने के लिए पैसे की चिंता नहीं सताएगी। शासन से उनको मदद मिलेगी। प्रत्येक बेटियों के हाथ पीले करने के लिए मत्स्य विभाग 51 हजार रुपये खर्च करेगा। इसमें 35,000 रुपये कन्या के खाते में और 16,000 रुपये विवाह खर्चों के लिए दिए जाएंगे। यह सुविधा दो लाख रुपये से कम आय वाले एक वर्ष से अधिक समय से मस्त्य पालन करने वाले पालकों को मिलेगी। इस योजना का लाभ केवट, आखेटक, मल्लाह, निषाद, बिंद समेत 13 जातियों को मिलेगा।

पंजाब के सीएम भगवंत मान के घर इलेक्शन कमीशन की रेड, हार देख कांप रही भाजपा : आप का आरोप

नई दिल्ली (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिल्ली निवास पर इलेक्शन कमीशन की रेड हुई है। आप के मुताबिक दिल्ली के कपूरथला हाउस में तलाशी लेने इलेक्शन कमीशन की टीम पहुंची।

आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया के जरिए भाजपा पर हमला शुरू कर दिया है। आम आदमी पार्टी ने लिखा है कि हार सामने देख, कांप उठी भाजपा, भाजपा की दिल्ली पुलिस पंजाब के सीएम भगवंत मान जी दिल्ली के घर पर रेड करने पहुंच गई है। भाजपा वाले दिनदहाड़े पैसे, जूते, चादर बांट रहे हैं, मगर पुलिस और चुनाव आयोग की आंखों पर तो भाजपाई पट्टी बंधी है।

वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भी सोशल मीडिया पर लिखा, दिल्ली पुलिस भगवंत मान जी के दिल्ली के घर पर रेड करने पहुंच गई है। भाजपा वाले दिनदहाड़े पैसे, जूते, चादर बांट रहे हैं, वो नहीं दिखता, बल्कि एक चुने हुए मुख्यमंत्री के निवास पर रेड करने पहुंच जाते हैं। वाह री भाजपा! दिल्ली वाले 5 तारीख को जवाब देंगे!

हालांकि, इस खबर पर अभी तक कोई भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन, आम आदमी पार्टी और उसके नेता लगातार इसे लेकर सोशल मीडिया पर बयान देते दिखाई दे रहे हैं और साथ ही साथ आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा %साम, दाम, दंड, भेद% अपनाकर इस चुनाव में आम आदमी पार्टी को हराने की कोशिश कर रही है।

27 साल पहले घर से लापता हुआ था पति, अब महाकुंभ में इस रूप में हुई मुलाकात

प्रयागराज (आरएनएस)। कुंभ मेले में अपनों के बिछड़ने और कई वर्षों के बाद मिलने के किस्से तो अपने अकसर सुने होंगे। ऐसे ही एक मामला महाकुंभ मेले में भी सामने आया है। झारखंड के एक परिवार ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में 27 साल बाद अपने खोए हुए सदस्य को खोज निकालने का दावा किया है।

परिवार का कहना है कि 1998 में लापता हुए गंगासागर यादव अब 'अघोरी' साधु बन चुके हैं, जिन्हें लोग बाबा राजकुमार के नाम से जानते हैं। उनकी उम्र 65 साल है, गंगासागर 1998 में पटना जाने के बाद अचानक लापता हो गए थे और उनकी कोई खबर नहीं मिल पाई थी। उनकी पत्नी धनवा देवी ने अकेले ही अपने दो बेटों, कमलेश और विमलेश को पाला। गंगासागर के छोटे भाई मुरली यादव ने बताया, 'हमने भाई को खोजने की उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन हाल ही में हमारे एक रिश्तेदार ने कुंभ मेले में एक साधु को देखा, जो गंगासागर जैसा दिखता था।

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला 2025 के दौरान %मौनी अमावस्या% पर भगदड़ के बाद संगम पर फंसे श्रद्धालु.

बेंगलुरु में जेडीएस कार्यालय के पास जकरयाना केरे के पास खड़ी जब्त गाड़ियों में लगी आग को बुझाने के लिए अग्निशमन कर्मी काम कर रहे हैं। आग लगने के कारणों की अभी जांच की जा रही है।

इस प्रसिद्ध मंदिर में भक्तों के लिए ड्रेस कोड लागू, स्कर्ट व कटे-फटे कपड़े पहनने पर नहीं मिलेगी एंट्री

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में भक्तों के लिए आज से ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। इस नई व्यवस्था के तहत, स्कर्ट, कटे-फटे कपड़े और रिवीलिंग ड्रेस पहनकर मंदिर में प्रवेश नहीं मिलेगा। सिद्धिविनायक मंदिर प्रशासन के फैसले का भक्तों ने स्वागत किया है। गुरुवार सुबह मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे भक्तों ने कहा कि यह एक अच्छा फैसला है।

मंदिर में दर्शन करने आई श्रद्धालु पुष्पा ने कहा कि मैं मंदिर प्रशासन के फैसले का समर्थन करती हूं। अगर हम हिंदू संस्कृति का पालन करते हैं, तो देवी-देवताओं का भी सम्मान करना चाहिए। ड्रेस कोड की व्यवस्था गुरुद्वारे, दरगाह और चर्च में पहले से बनी हुई है। अगर कोई शख्स गुरुद्वारे जाता है, तो बिना सिर ढके अंदर नहीं जा सकता। चर्च और दरगाह में जाने पर नियमों का पालन करने के लिए कहा जाता है। ऐसी ही व्यवस्था हिंदू मंदिरों में भी होनी चाहिए। मैं मंदिर प्रशासन के फैसले के साथ हूं। मैं सभी से अपील करूंगी कि वे भारतीय संस्कृति से जुड़े वस्त्र पहनकर ही मंदिर में दर्शन करने के लिए आएं।

श्रद्धालु जयश्री देसाई ने कहा कि आज के समय में मंदिर में ड्रेस कोड की व्यवस्था लागू करना बहुत ही जरूरी है। युवाओं में दूसरे वस्त्रों को लेकर काफी क्रेज बढ़ा है। इसलिए मंदिर में आने वाले भक्तों के लिए ड्रेस कोड लागू करने का फैसला सही है।

इससे पहले सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने ड्रेस कोड को लागू करने की वजह बताई थी। उन्होंने कहा था, मुंबई स्थित सिद्धिविनायक मंदिर सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के सनातनी और गणेश भक्तों के आस्था का एक प्रमुख केंद्र है। यहां पर लाखों लोग दर्शन के लिए आते हैं और यहां आने वाले श्रद्धालुओं के जीवन की मनोरथ पूरी होती है। लेकिन, जब लोग किसी पवित्र स्थल पर जाते हैं, तो वहां कुछ नियमों का पालन करना आवश्यक होता है, ताकि उस स्थान की पवित्रता बनी रहे। यह निर्णय मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के सुझावों के आधार पर लिया गया है। कई भक्तों ने मंदिर में दर्शन करने के दौरान कुछ श्रद्धालुओं के पहनावे को लेकर चिंता व्यक्त की थी।

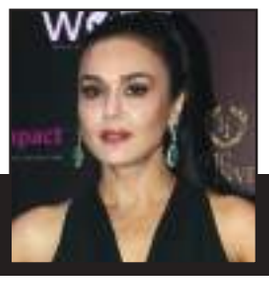

प्रीती जिंटा बॉलीवुड की सबसे जानी-मानी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वर्तमान में प्रीति आईपीएल की टीम पंजाब किंग्स की सह मालकिन भी हैं। उन्होंने हिंदी फिल्मों के अलावा तेलुगु, तमिल व पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है। अब तक के अपने फ़िल्मी करियर में प्रीती ने कई बेहतरीन फ़िल्में की हैं। उन्हें उनके बेहतरीन अभिनय के लिए उन्हें उनकी डेब्यू फिल्म दिल से के लिए फ़िल्मफ़ेयर सर्वश्रेष्ठ नई अदाकारा के अवार्ड से नवाजा गया।

आकांक्षा शर्मा 2025 में चार रोमांचक प्रोजेक्ट्स के साथ तेलुगु और हिंदी सिनेमा में डेब्यू करेंगी

2025 आकांक्षा शर्मा के लिए एक सफल वर्ष होने वाला है, क्योंकि उभरती हुई स्टार तेलुगु और हिंदी सिनेमा दोनों में अपनी बहुप्रतीक्षित शुरुआत करने के लिए तैयार है। चार विविध परियोजनाओं की एक उल्लेखनीय लाइनअप के साथ, आकांक्षा अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करने और उद्योग में सबसे रोमांचक नई प्रतिभाओं में से एक के रूप में अपनी जगह पक्की करने के लिए तैयार है। यहाँ उनकी आगामी फ़िल्मों की एक झलक दी गई है=

तेरा यार हूँ मैं= प्रतिभाशाली मिलाप जावेरी द्वारा निर्देशित इस फील-गुड रोमांटिक-कॉमेडी में आकांक्षा रोमांस की दुनिया में कदम रखती हैं। अमन इंद्र कुमार के साथ अभिनीत, यह फिल्म रिश्तों, दोस्ती और प्यार पर एक नया नज़रिया पेश करती है। भावनाओं को हास्य के साथ मिलाने की मिलाप की आदत के साथ, यह फिल्म दर्शकों पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है।

केसरी वीर= इस पीरियड ड्रामा में आकांक्षा बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों जैसे सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित केसरी वीर दर्शकों को एक महाकाव्य यात्रा पर ले जाएगा, जिसमें आकांक्षा इस एक्शन से भरपूर ड्रामा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो दमदार अभिनय और मनोरंजक कहानी दोनों का वादा करता है। लैला= आकांक्षा की तेलुगु डेब्यू लैला के साथ होने वाली है, जहां वह प्रतिभाशाली विश्वक सेन के साथ अभिनय करेंगी। अपने दमदार अभिनय के लिए जाने जाने वाले, इस प्रोजेक्ट में आकांक्षा के अनुकूलनशीलता और रेंज को दर्शाती हैं। उनके सुर्खियों में आने से प्रशंसकों को निश्चित रूप से एक ट्रीट मिलने वाली है!

साथ विश्वक सेन की जोड़ी निश्चित रूप से तेलुगु फिल्म उद्योग में कुछ रोमांचक लेकर आएगी, जिसमें शानदार केमिस्ट्री के साथ आकर्षक कहानी होगी।

बिना शीर्षक वाली एक्शन-कॉमेडी= इन सबसे बढ़कर, आकांक्षा एक एक्शन-कॉमेडी में भी नज़र आएंगी, जिसका निर्देशन एक बार फिर मिलाप जावेरी करेंगे। यह हाई-एनर्जी फ़िल्म एड्रेनालाईन-पंपिंग एक्शन सीक्वेंस को हास्य के साथ मिलाएगी, और आकांक्षा की नई प्रतिभा के साथ, यह दर्शकों के लिए एक मनोरंजक सवारी होगी।

फ़िल्मों की इस आशाजनक सूची के साथ, 2025 आकांक्षा शर्मा के लिए एक निर्णायक वर्ष बनने जा रहा है। रोमांस और पीरियड ड्रामा से लेकर एक्शन-कॉमेडी तक, तेलुगु और हिंदी दोनों फ़िल्मों में उनकी प्रभावशाली पहली फ़िल्में उनकी

नागा चैतन्य और साई पल्लवी की बहुप्रतीक्षित फिल्म थंडेल का ट्रेलर

नागा चैतन्य, साई पल्लवी की आगामी मनोरंजक फिल्म थंडेल, जो 7 फरवरी को विभिन्न भाषाओं में शानदार रिलीज के लिए तैयार है, फिल्म प्रेमियों के बीच जबरदस्त दिलचस्पी पैदा कर रही है। फिल्म के प्रमोशन ने पहले ही फिल्म प्रेमियों को तीव्र भावनाओं और एक्शन ब्लॉक के साथ आकर्षित किया है। आज, निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जारी किया। कल जारी किए गए ट्रेलर के प्रस्तावना को सभी तिमाहियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। ट्रेलर में रोचक और यथार्थवादी तत्व हैं, जो फिल्म प्रेमियों को आकर्षित कर रहे हैं। नागा चैतन्य को मछुआरे राजू के रूप में पेश किया गया है और यथार्थवादी लुक पाने के लिए उन्होंने उल्लेखनीय बदलाव किए हैं। ट्रेलर में रोमांटिक तत्व भरे हुए हैं और इसने राजू और बुज्जी थल्ली के बीच साझा गहरे प्रेम को उजागर किया है,

छोटी सी ड्रेस पहन सुरभि चंदना ने कराया हॉट फोटोशूट, लेटेस्ट तस्वीरें देख फैंस ने की तारीफ

टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना हमेशा अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के बीच लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।

एक्ट्रेस सुरभि चंदना आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग और हॉट अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही कातिलाना अदाओं में पोज देती हुई इंटरनेट का पारा हाई कर रही हैं।

कानों में बड़ी सी इयररिंग्स, लाइट मेकअप और

डार्क शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस सुरभि चंदना ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस सुरभि चंदना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

सुरभि चंदना की इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- सो हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- बेहद शानदार। तीसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग।

बॉक्स ऑफिस पर स्काई फोर्स का जलवा बरकरार, 4 दिन में कूट डाले 79.45 करोड़!

अक्षय कुमार की एरियल एक्शन ड्रामा स्काई फोर्स पिछले चार सालों में बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार के लिए सबसे बड़ी हिट साबित हुई है. कई फ्लॉप फिल्मों के बाद अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 3 दिनों में 90 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई की है. वहीं भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. 24 जनवरी को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई वीर पहाड़िया की डेब्यू फिल्म स्काई फोर्स ने डबल डिजिट में ओपनिंग की. मेकर्स के मुताबिक, पहले दिन स्काई फोर्स ने भारत में 15.30 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. वहीं दूसरे दिन अक्षय कुमार स्टारर ने 26.30 करोड़ रुपये कमाए. तीसरे दिन गणतंत्र दिवस के मौके पर फिल्म के कलेक्शन में बढ़ोतरी दर्ज की गई. 26 जनवरी के मौके पर स्काई फोर्स ने 31.60 करोड़ रुपये की कमाई की है.

बीते सोमवार को मैडॉक फिल्म्स ने स्काई फोर्स के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के बारे में अपडेट साझा किया. इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, स्काई फोर्स नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है, गणतंत्र दिवस वीकेंड पर दर्शकों की पसंदीदा फिल्म बन गई है. मेकर्स ने बताया कि स्काई फोर्स ने 3 दिनों में 92.90 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया है. जबकि भारत में फिल्म ने 86.40 करोड़ रुपये का ग्रॉस और 73.20 करोड़ रुपये का नेट बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है. सैकनिल्क के ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, फर्स्ट मंडे टेस्ट में स्काई फोर्स फेल होती दिखीं. चौथे दिन अभिषेक अनिल कपूर, संदीप केवलानी की निर्देशित फिल्म में 77.68 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है. पहले सोमवार को स्काई फोर्स ने 6.25 करोड़ रुपये कमाई की है. इस तरह स्काई फोर्स ने भारत में 4 दिनों में 79.45 करोड़ रुपये की कुल कमाई की है. वहीं, फिल्म के चौथे दिन के वर्ल्डवाइड कलेक्शन रिपोर्ट के आने का इंतजार है. रिपोर्ट के डेटा से पता चला है कि स्काई फोर्स बॉलीवुड के इतिहास में चौथा सबसे बड़ा गणतंत्र दिवस कलेक्शन बन गया है.

धनुष की फिल्म तेरे इश्क में का नया टीजर आउट, रिलीज डेट से उठा पर्दा, बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन संग इश्क फरमाएंगे एक्टर

साउथ सुपरस्टार धनुष की अपकमिंग फिल्म तेरे इश्क में की हर एक अपडेट का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. हाल ही में धनुष की फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था जिसमें एक मिस्ट्री गर्ल को लेकर सस्पेंस क्रीएट किया गया था. लेकिन अब नए टीजर में मिस्ट्री गर्ल का चेहरा सामने आ गया है. इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है. तो आइए जानते हैं रांझणा के बाद धनुष इस अपकमिंग फिल्म में किस बॉलीवुड एक्ट्रेस के साथ इश्क फरमाने जा रहे हैं. धनुष की रांझणा को क्रिटीक्स और दर्शकों की खूब सराहना मिली थी और आज भी रांझणा के गाने, डायलॉग तक युवाओं की जुबान पर चढ़े रहते हैं. अब फिर से धनुष ऐसी ही धमाकेदार लव स्टोरी के साथ वापस आ रहे हैं. जिसका नाम है- तेरे इश्क में. धनुष ने एक दिन पहले एक टीजर रिलीज किया था जिसमें वे हाथ में मशाल लिए कहते हैं, पिछली बार तो कुंदन था मान गया, पर इस बार शंकर को कैसे रोकोगे. जिसके बाद एक वॉइस ओवर आता है जिसमें एक मिस्ट्री गर्ल की आवाज होती है. जो कहती है- शंकर, इश्क में बस लड़के ही मरते हैं क्या, कुछ लड़कियां भी कलेजा रखती हैं जान देने का. यह वॉइस ओवर सस्पेंस क्रीएट कर देता है कि आखिर यह मिस्ट्री गर्ल है कौन. तो आज धनुष ने इसका जवाब दे दिया है एक नया टीजर रिलीज करके. इस टीजर में नजर आती हैं कृति सेनन. जी हां रांझणा में सोनम कपूर संग रांझणा में सबका दिल जीतने के बाद अब धनुष कृति सेनन संग मोहब्बत की नई इबारत लिखने के लिए तैयार हैं. दोनों ही टीजर धांसू हैं और एक मजबूत लव स्टोरी होने का दावा करते हैं. बता दें टीजर के साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है. धनुष और कृति की तेरे इश्क में 28.11.2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. रांझणा 2013 में रिलीज हुई थी. जिसमें धनुष, सोनम कपूर और अभय देओल ने अहम भूमिकाएं निभाई थी. फिल्म की कहानी में धनुष यानि कुंदन को सोनम कपूर से प्यार हो जाता है लेकिन बड़े होने के बाद सोनम को अभय देओल से प्यार हो जाता है और वह कुंदन के प्यार को गंभीरता से नहीं लेती. फिर भी कुंदन उससे एक तरफा प्यार करता है और जो वह चाहती है वही करता है यहां तक कि पॉलिटिक्स के चलते वह अपनी जान की बाजी भी लगा देता है. एकतरफा प्यार की यह इमोशनल लव स्टोरी लोगों को खूब पसंद आई.

कन्नप्पा में रेबेल स्टार प्रभास का फर्स्ट लुक की पहली झलक आई सामने, 3 फरवरी को जारी होगा पूरा लुक

फैंस का इंतजार आखिरकार खत्म होने वाला है क्योंकि रेबेल स्टार प्रभास की नई फिल्म कन्नप्पा का फर्स्ट लुक 3 फरवरी 2025 को रिलीज किया जाएगा. इस फिल्म में प्रभास के किरदार की पहली झलक को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है. कन्नप्पा में विष्णु मंचु मुख्य भूमिका में हैं, और इसे निर्देशक मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित किया गया है.

मिसेज का ट्रेलर रिलीज, सान्या मल्होत्रा ने दिखाई घर-गृहस्थी संभालने वाली महिलाओं के संघर्ष की कहानी

एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा का नाम सामने आते ही दंगल फिल्म में उनका किरदार याद आ जाता है। इस फिल्म के बाद भी उन्होंने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया। मूवी कटहल और मीनाक्षी सुंदरवेश्वर में भी उनकी दमदार एक्टिंग को सराहा गया। इन दिनों उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म मिसेज की चल रही है। इसका इंतजार प्रशंसक लंबे समय से कर रहे थे। हालांकि, अब इससे जुड़ी गुड न्यूज सामने आ गई है।

मिसेज फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में ट्रेलर जारी किया। इसे देखने के बाद मिसेज की कहानी का अंदाजा भी लग गया है। यह एक हाउस वाइफ की कहानी को दर्शाती है। आमतौर पर इस तरह के विषय पर आधारित फिल्मों में आधुनिकता का ढोल पीटा जाता है, लेकिन सान्या मल्होत्रा स्टारर मूवी समाज की उस महिला को दर्शाती है, जिसे खाना बनाने और साफ-सफाई करने का काम सौंप दिया जाता है

माइक्रोवेव में प्लास्टिक का उपयोग करना चाहिए या नहीं? जानिए इससे जुड़ी जरुरी जानकारी

माइक्रोवेव में प्लास्टिक के उपयोग को लेकर कई मिथक प्रचलित हैं। लोग मानते हैं कि माइक्रोवेव में प्लास्टिक का उपयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है।

इस धारणा के पीछे की सच्चाई जानना जरूरी है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इस विषय पर विचार करना अहम है, ताकि हम सही निर्णय ले सकें।

इस लेख में हम इस मिथक की सच्चाई जानने की कोशिश करेंगे और देखेंगे कि क्या वास्तव में माइक्रोवेव में प्लास्टिक का उपयोग नुकसानदायक होता है या नहीं।

सही प्रकार के प्लास्टिक का चयन करें

माइक्रोवेव में सभी प्रकार के प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया जा सकता। इसके लिए बीपीए मुक्त और माइक्रोवेव सुरक्षित लेबल वाले विशेष प्रकार के प्लास्टिक कंटेनर ही सुरक्षित रहते हैं।

इन पर ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि ये उच्च तापमान सहन कर सकते हैं और इनमें से कोई हानिकारक रसायन नहीं निकलता।

इसलिए, जब भी आप माइक्रोवेव में खाना गर्म करें, सुनिश्चित करें कि आप सही प्रकार के प्लास्टिक का ही चयन कर रहे हों।

तापमान नियंत्रण रखें

माइक्रोवेव में खाना गर्म करते समय तापमान पर ध्यान देना बहुत अहम होता है। अत्यधिक तापमान पर कुछ प्लास्टिक पिघल सकते हैं या उनमें से रसायन निकल सकते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए हमेशा मध्यम या कम तापमान पर ही खाना गर्म करने की कोशिश करें, ताकि किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सके और आपका भोजन सुरक्षित रहे।

इससे खाना भी खराब नहीं होगा और प्लास्टिक का कंटेनर भी नहीं पिघलेगा।

समय सीमा का पालन करें

खाना गर्म करते वक्त समय सीमा का पालन करना भी जरूरी होता है। लंबे समय तक माइक्रोवेव में रखने से कुछ प्रकार के प्लास्टिक कमजोर हो सकते हैं और उनमें से रसायन निकलने लगते हैं।

घर पर नेचुरल मेकअप फिक्सर कैसे बनाएं? यहां जानें होममेड मेकअप सेटिंग स्प्रे बनाने का तरीका

आजकल ज्यादातर महिलाएं सुंदर दिखने के मेकअप का यूज करती हैं. लेकिन लंबे समय तक मेकअप को चेहरे पर फिक्स रखना थोड़ा मुश्किल होता है. धूप, धूल और पसीना आने की वजह से मेकअप थोड़ी देर बाद हटना शुरू हो जाता है. ऐसे में मेकअप को लॉन्ग लास्टिंग बनाए रखना किसी टास्क से कम नहीं होता. इसलिए कई महिलाएं मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने के लिए मेकअप फिक्सर का इस्तेमाल करती हैं. यूं तो बाजार में कई तरह के मेकअप फिक्सर मिलते हैं. लेकिन इन सभी में केमिकल होते हैं. साथ ही इन्हें खरीदने में पैसे भी अच्छे-खासे खर्च होते हैं. ऐसे में अगर आप चेहरे पर नेचुरल मेकअप फिक्सर का लगाना चाहती हैं तो यहां बताए तरीके से आसानी से घर पर उसे तैयार कर सकती हैं. आइए जानते हैं इसके बारे में.

इन चीजों की पड़ेगी जरूरत

2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल
1/2 कप पानी
1/2 चम्मच ग्लिसरीन
1-2 चम्मच गुलाब जल
1 छोटा स्प्रे बोतल

फ्रेश एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

अगर आप घर पर मेकअप फिक्सर बना रही हैं तो कोशिश करें इसमें फ्रेश एलोवेरा जेल का ही यूज करें. लेकिन अगर आप स्टोर से खरीद रही हैं, तो ध्यान दें कि उसमें कोई केमिकल न हो.

घर पर मेकअप फिक्सर कैसे बनाएं?

सबसे पहले एक बर्तन में फ्रेश एलोवेरा जेल को डाल दें. इसके बाद इसमें पानी और ग्लिसरीन को भी बताई गई मात्रा के अनुसार डाल के मिला लें. अब इसमें गुलाब जल मिला लें. आपका नेचुरल मेकअप फिक्सर बनकर तैयार हो गया है. इसे आप एक स्प्रे बोतल में डाल लें.

नेचुरल मेकअप फिक्सर लगाने के फायदे

एलोवेरा त्वचा को हाइड्रेट करता है. इसके साथ ही यह मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करता है. गुलाब जल और ग्लिसरीन से स्किन को नमी मिलती है.

शब्द सामर्थ्य -311

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

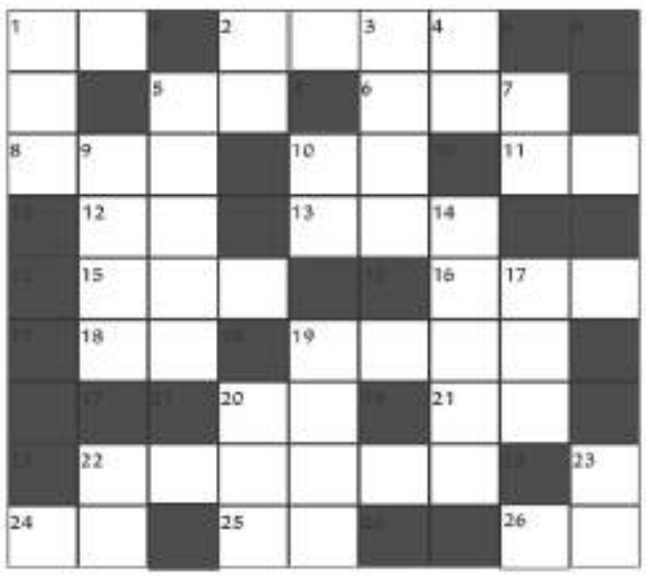

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 310 का हल

स्था	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गोराबजार मे ज्ञानवती मलिक उम्र 50 वर्ष निवासी बड़े कुआ के पास बिलहरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आज वह दवा खरीदकर कुंज मेडिकल स्टोर से पैदल अपने घर जा रही थी जैसे ही दोपहर लगभग 3-30 बजे सेंट्रल बैंक के सामने बिलहरी पहुँची तभी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 जेड एफ 0766 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये पीछे से उसको टक्कर मार दिया जिससे वह गिर गयी उसके दाहिने पैर में चोट आयी है।

यादें मां की जयंती के अवसर पर समरसता सेवा संगठन ने किया विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन

समरस समाज की स्थापना हेतु मजबूत ध्येय की आवश्यकता

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। समरस भारत - समर्थ भारत, सब सबको जाने - सब सबको माने, एक अभियान के अंतर्गत समरसता सेवा संगठन द्वारा यादे मां की जयंती अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रवि गुप्ता, अध्यक्ष महाकौशल चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स मुख्य वक्ता जानकी रमण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिजात कृष्ण त्रिपाठी

समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष श्री संदीप जैन एवं सचिव उज्ज्वल पचौरी की उपस्थिति में विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन वर्मा बारातघर विजयनगर में किया गया।

विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ अभिजात कृष्ण त्रिपाठी ने कहा कि समरस समाज के मजबूत स्थापन हेतु मजबूत ध्येय की आवश्यकता होती है जो समरसता सेवा संगठन के कार्यों से प्रतीत होता है समाज की प्रत्येक पंक्ति के हर व्यक्ति को, हर जाति को भारत के नवनिर्माण के प्रति अग्रेषित करना समरसता का भाव सभी के मन में जागृत करना ताकि सक्षम एवं समर्थ भारत का निर्माण हो सके यही समस्या सेवा संगठन का प्रमुख उद्देश्य है कालांतर में महापुरुषों एवं महादेवियों के द्वारा दिए गए विचारों को मानव समाज को आत्मसात करने हेतु समरसता सेवा संगठन कार्य कर रहा है एवं कालांतर में हुई विसंगतियों को दूर करते हुए सभी को एक माला में पिरोने का प्रयास अद्वितीय है।

उन्होंने कहा श्री यादें मां जो कुमार एवं प्रजापति समाज की मुख्य आराध्या हैं उन्हें भक्त प्रहलाद की भी आराध्य देवी माना जाता है एवं यह भी माना जाता है कि श्रीयादे मां की विष्णु भक्ति से प्रेरणा लेकर ही भक्त प्रहलाद ने भगवान विष्णु की भक्ति प्रारंभ की।

उन्होंने कहा समरसता सेवा संगठन इसी तरह विभिन्न महापुरुषों एवं महादेवियों के विचार उनके दिए उपदेश को प्रत्येक मानव जाति तक पहुंचाना अपना उद्देश्य मानता है और आज समाज में समरसता सेवा संगठन अपने लक्ष्य के प्रति सफल हो रहा है । विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री रवि गुप्ता ने कहा सनातन संस्कृति में मानव एक है परन्तु वह अपने कार्य की विशेषता के आधार पर इतना पारंगत हो गया कि उसका कार्य उसकी जाति में परिवर्तित हो गया एवं मनुष्य कार्य के आधार पर दी गई जाति समाज में स्थापित हुई परन्तु समयानुसार जाती के कारण विसंगति एवं भेद उत्पन्न हो हुए जिसमें समाज एवं जाती के आधार पर मानव को बांट दिया गया यह भेद नष्ट करने के उद्देश्य से समरसता सेवा संगठन कार्य कर रहा है और मजबूत एकत्व को आगे बढ़ाने हेतु प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा श्री यादें मां की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन कर प्रजापति समाज के अतिरिक्त सभी सनातनियों को श्री यादें मां के उपदेशों से अवगत कराने का प्रयास समरसता सेवा संगठन कर रहा है एवं विभिन्न महापुरुषों की संगोष्ठी आयोजित कर मानव समाज को एकत्रित करने हेतु समस्त सेवा संगठन आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं स्वागत उद्बोधन संगठन के अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने कहा आप सभी के सहयोग और स्नेह से समरसता सेवा संगठन प्रयासरत है कि मानव जाति में एकरूपता स्थापित हो सभी महापुरुषों के विचार हर व्यक्ति एवं समाज अपने मन में लेकर भारत की शक्ति को और अधिक मजबूत करे और समरस भारत से समर्थ भारत के निर्माण के उद्देश्य को लेकर समरसता सेवा संगठन चल रहा है, सब सबको जाने और सब सबको माने के भाव से हम कार्य कर रहे है, इसी तारतम्य में आज यादे मां की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी और सम्मान समारोह के आयोजन पर आप सभी का स्वागत करता हूं।

कार्यक्रम में संगठन वक्ता के रूप में श्री अरुण अग्रवाल ने श्री यादे मां पर अपने विचार व्यक्त किए।

सम्मान- कार्यक्रम में श्री राजू चक्रवर्ती, श्री दुर्गा बाबू प्रजापति, रमेश प्रजापति, गंगाराम चक्रवर्ती, प्रकाश चक्रवर्ती, प्रहलाद प्रजापति, रानू प्रजापति, अक्षय चक्रवर्ती, विजय प्रजापति, यशवंत प्रजापति, विमल चक्रवर्ती, नारायण प्रजापति एवं मिठाईलाल चक्रवर्ती का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन शरद ताम्रकार एवं आभार संगठन के सचिव उज्ज्वल पचौरी ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम में शरदचंद्र पालन, जीपी सिंह, ओंकार रजक, हीरालाल चक्रवर्ती, अभिमन्यु जैन, आशुतोष दीक्षित, सुरेश विचित्र, महेश स्थापक, संदीप अग्रवाल, भीष्म सिंह राजपूत, रवि सक्सेना, राजेश तिवारी, विजय मिश्रा, पुष्पेंद्र सिंह, सुनील सराठे, शैलेष अग्रवाल, उदयभानु तिवारी, अनिल गुप्ता, विशाल वर्मा, अनिल जैन, अनमोल बाजपेई, सुजीत पटेल आदि उपस्थित थे।

पावर जनरेटिंग कंपनी में जेनको क्रिकेट लीग और अन्य खेल स्पर्धाओं का आयोजन 5 फरवरी से

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के तत्वावधान में जेनको क्रिकेट व अन्य खेलों का आयोजन 5 से 10 फरवरी तक रामपुर परिसर स्थित पाण्डुताल मैदान में किया गया है। इसमें पुरूष व महिलाओं की टेनिस बॉल क्रिकेट स्पर्धा और महिलाओं के लिए स्पून लेमन रेस व चेयर रेस का आयोजन होगा। स्पर्धाओं में पावर जनेरटिंग कंपनी के मुख्यालय स्थित सभी कार्यालयों के कार्मिक शामिल होंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह करेंगे। क्रिकेट लीग में 6 टीमों के बीच होगा मुकाबला-जेनको क्रिकेट लीग में पुरूष अभियंताओं व कार्मिकों की 6 टीमें रायल्स, लीजेन्ड्स, हिटर्स, वारियर्स, ग्लेडीएटर्स व चार्जर्स के मध्य मुकाबला होगा। महिला कार्मिकों की दो टीमें वंडर वुमेन्स व पावर एंजेल्स बनाई गई हैं जिनके मध्य मुकाबला होगा। जेनको क्रिकेट लीग में अधीक्षण अभियंताओं व इनसे उच्च पदों के कार्मिक की दो टीमें चेलेंजर्स व टाइटन भी क्रिकेट लीग में उतरेंगी। सुव्यवस्थित आयोजन के लिए समिति का गठन-जेनको क्रिकेट लीग व खेल स्पर्धा के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए एक समिति गठित की गई है। इस समिति का अध्यक्ष संयुक्त सचिव अमन लूम्बा व सचिव उप महाप्रबंधक दीपक निगम को बनाया गया है। समिति के अन्य सदस्य हैं- लोकेश कुमार उपाध्याय, सुशील कुमार पाल, प्रशांत सिंह भदौरिया, विकास कुमार शुक्ला, विनीत त्रिपाठी, के. विनय राव, आनंद गुप्ता, अतुल यादव, कुशल जैन, सुहैल मोहम्मद, महेन्द्र कुमार सोनी, आदर्श कुमार तिवारी, अमित सिंह चौहान, राजकिशोर सिंह, विक्रम सिंह बनाफर, योगेश साहू व सुशील कुमार पाण्डेय। महिलाओं की खेल स्पर्धाओं के लिए प्रभारी स्मिता नवेरिया, स्मृति उपाध्याय, खुशबू शर्मा मनीषा झारिया बनाई गईं हैं। रामपुर स्थित पाण्डुताल मैदान में क्रिकेट लीग के अंतर्गत प्रतिदिन दो मैचों का आयोजन होगा। प्रथम मैच दोपहर 1 बजे से और दूसरा मैच 3.30 बजे से शुरु होंगे।

अलग से वार्ड बनाए जाने की मांग, पीड़ितों को दवा और कम से कम दो यूनिट ब्लड देने की मांग-रक्तदान के क्षेत्र में काम करने वाले संगठनों ने सौंपा ज्ञापन

थैलेसीमिया और सिकिलसेल से पीड़ितों की समस्या पर नहीं है किसी का ध्यान

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रक्तदान के क्षेत्र में काम करने वाले विभिन्न संगठनों ने विगत दिवस मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने थैलेसीमिया एवं सिकलसेल बच्चों के उपचार के दौरान हो रही परेशानियों को शीघ्र ही दूर करने की मांग की गई। मांग पत्र में बताया गया कि जिला चिकित्सालय में इलाज के लिए आने वाले थैलेसीमिया एवं सिकलसेल के बच्चों को उपचार के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

जिसको लेकर उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल के ब्लड बैंक से थैलेसीमिया एवं सिकलसेल से पीड़ित बच्चों को एक यूनिट रक्त ही मिलता है, जबकि ज्यादातर बच्चों को 2 यूनिट ब्लड लगता है, कभी कभी इससे ज्यादा भी लगता है, अत- ब्लड बैंक में ब्लड उपलब्ध होने पर उन्हें आवश्यकता अनुसार ब्लड दिया जाए, क्योंकि ज्यादातर रक्तदान शिविर थैलेसीमिया बच्चों के लिए ही लगाए जाते हैं, थैलेसीमिया बच्चों के लिए अलग वार्ड की व्यवस्था की जाए।

ज्ञापन के माध्यम से की गई यह भी मांग-

12 साल से बड़े बच्चों को भी थैलेसीमिया एवं सिकलसेल बच्चों के साथ ही ब्लड लगाया जाने की व्यवस्था की जाए। थैलेसीमिया एवं सिकलसेल से पीड़ित बच्चों के लिए हीमोटोलॉजिस्ट एवं डाइटीशियन डॉक्टर द्वारा जांच, इलाज एवं सुझाव की सुविधा अस्पताल में उपलब्ध करवाई जाए। थैलेसिमिया एवं सिकलसेल के बच्चों को बिना फि ल्टर के ब्लड न लगाया जाए एवं फि ल्टर की उचित व्यवस्था की जाए। रक्तदान के क्षेत्र में काम करने वाले समाजसेवियों को जिला अस्पताल एवं रानी दुर्गावती चिकित्सालय में डोनर लेकर एवं बच्चों की परेशानियों को दूर करने के लिए निरंतर आना जाना पड़ता है, अत- उनके लिए सायकिल स्टैंड की निःशुल्क व्यवस्था की जाए। पीड़ितों को दवाईयां समय पर उपलब्ध करवाई जाए। राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन मध्यप्रदेश द्वारा जारी किए गए आदेशानुसार जिले के सभी स्त्रीरोग विशेषज्ञों द्वारा गर्भवती महिलाओं की एचबीए 2 थैलेसीमिया माइनर की जांच प्रथम 2 माह में करवाने के आदेश जारी किए जाए, ताकि थैलेसीमिया बच्चे जन्म ही न ले सकें।- जिले के प्रत्येक ब्लड बैंक में और सरकारी ब्लड बैंक में 18 वर्ष की आयु के प्रथम बार रक्तदान करने वाले बच्चों की थैलेसीमिया की जांच अनिवार्य की जाए, आदि मांग पत्र सौपे गए।

आई सी आई जबलपुर सेंटर के एंडोमेंट अवार्ड - 2024 में सम्मानित हुए महाकौशल के इंजीनियर्स और आर्किटेक्ट्स

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। इंडियन कंक्रीट इंस्टीट्यूट जबलपुर सेंटर ने एंडोमेंट अवार्ड 2024 का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंजी डी.एल. वर्मा मुख्य अभियंता ह्ड्ढ्ढ, अपर नर्मदा नॉर्थ जोन एवं विशेष अतिथि इंजी ए.के. डेहरिया मुख्य अभियंता वेन गंगा बेसिन,ह्ड्ढ्ढ विभाग सिवनी रहेद्व कार्यक्रम में विशेष अतिथि वक्ता के तौर पर इंजी दीपक अनंत गायकवाड (गुणवत्ता प्रमुख मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट) उपस्थित रहे जिन्होंने देश में हो रहे आधुनिक निर्माण के विषय पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया और उन्होंने मेगा परियोजनाओं में गुणवत्ता नियंत्रण उत्कृष्टता को क्रियान्वित और प्रोत्साहित करने हेतु आवश्यक सुझाव दिए । राष्ट्रगान से आरंभ हुए कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत आई सी आई जबलपुर सेंटर के चेयरमैन डॉ राजीव चांडक, सचिव डॉ संजय वर्मा, कोषाध्यक्ष इंजी नीरज ब्यौत्रा, जे के सीमेंट के इंडिया हेड इंजी शकुन वैद्य, क्लस्टर हेड इंजी सिद्धार्थ कोटिया, स्टेट हेड इंजी सुधीर मिश्रा ने किया ।

भोपाल कलेक्टर को राजस्व वसूली प्रमाण-पत्र क्रियान्वित करने का आदेश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर, के माननीय न्यायमूर्ति श्री विवेक अग्रवाल ने आज एक महत्वपूर्ण मामले में सुनवाई करते हुए जिला भोपाल के कलेक्टर को निर्देशित किया है कि याचिकाकर्ता के पक्ष में जारी राजस्व वसूली प्रमाण-पत्र को क्रियान्वित किया जाए।

याचिकाकर्ता रामकृष्ण रघुवंशी की ओर से अधिवक्ता श्री शीर्ष अग्रवाल ने तर्क प्रस्तुत किया कि रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (ऋश्वक्र) द्वारा दिनांक 14 अगस्त, 2023 को उक्त राजस्व वसूली प्रमाण-पत्र जारी किया गया था, लेकिन अब तक संबंधित अधिकारियों द्वारा इसे क्रियान्वित नहीं किया गया है। न्यायालय ने निर्देश दिया कि प्रमाण-पत्र के क्रियान्वयन की प्रक्रिया तीस दिनों के भीतर पूरी की जाए, बशर्ते कि इसे किसी उच्च न्यायालय द्वारा स्थगित न किया गया हो। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस आदेश के तहत मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

भारतीय रेलवे और आर्थिक सर्वेक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। वित्त वर्ष 2025 के दौरान, अब तक रेलवे नेटवर्क के विस्तार की प्रगति पिछले वर्ष के बराबर स्तर पर रही जबकि रोलिंग स्टॉक की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई। अप्रैल और अक्टूबर 2024 के बीच, 17 जोड़ी नई वंदे भारत रेल गाड़ियां नेटवर्क में शामिल की गई और 228 कोच तैयार किए गए।

रेलवे पर हाल ही में हुई प्रगति

रेल प्रणाली पर हुई हालिया पहल-

गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) 31 अक्टूबर, 2024 तक 91 जीसीटी शुरू किए गए और 234 स्थानों को मंजूरी दी गई।

शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन - भारतीय रेलवे ने 2029-30 तक 30 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य रखा है जिसमें अक्टूबर, 2024 तक 375 मेगावाट सौर और 103 मेगावाट पवन ऊर्जा चालू की जाएगी।

प्रमुख आर्थिक गलियारे - तीन रेलवे गलियारों के अंतर्गत 11.17 लाख करोड रुपए मूल्य की 434 परियोजनाओं की पहचान की गई है जिन्हें प्रधानमंत्री गति शक्ति पोर्टल पर मैप किया गया है। सार्वजनिक निजी भागीदारी - इसके अंतर्गत 17 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं 16,434 करोड रुपए और 8 परियोजनाऐं 16614 (करोड रुपए) चल रही हैं। प्रमुख परियोजनाएं - मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना - दिसंबर, 2015 में मंजूर की गई तथा जापान के सहयोग से चलाई जा रही इस 508 किलोमीटर लंबी परियोजना की संशोधित लागत 1. 08 लाख करोड रुपए हो गई है। अक्टूबर 2024 तक इस पर 67,486 करोड रुपए के व्यय के साथ इसका 47.17 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है।

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर - नवंबर 2024 तक 2843 किलोमीटर के डीएफसी नेटवर्क का 2741 किलोमीटर 96.4त्न पूरा हो गया है। डीएफसी ने यात्री रेलगाड़ी के हस्तक्षेप के बिना माल ढुलाई की मात्रा में वृद्धि करके भारत में लॉजिस्टिक का स्वरूप बदल दिया है।

रेलवे में अभी यात्री सुविधाएं

बढ़ाने के लिए उठाए जाने वाले कदम-

भारतीय रेलवे यात्री अनुभव और स्टेशन सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अनेक पहल कर रहा है। स्टेशन पुनर्विकास, किफायती स्वास्थय सेवा, खानपान सेवाओं में सुधार और स्थानीय कारीगरों को समर्थन देने जैसी प्रमुख परियोजनाएं इसमें शामिल हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना - इस पहल के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर सुविधाएं बढ़ाने के उद्देश्य से पुनर्विकास के लिए 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है इसमें से 1197 पर काम शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र - रेलवे स्टेशनों से गुजरने वाले यात्रियों के स्वास्थ्य और कल्याण हेतु रेलवे स्टेशन परिसरों में 50 प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र पार्टी खोले गए हैं। इसके अलावा 13 नंबर 2024 को ऐसे 18 नए केंद्र खोले गए जो रेलवे स्टेशन पर सस्ती दवाइयां और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे। भोजन और खानपान सेवाएं - मोबाइल खानपान के प्रबंधन के लिए एक नई नीति 14 नवंबर 2023 को शुरू की गई थी इसके परिणाम स्वरुप 23 नवंबर 2024 तक 557 बेस किचन खोले गए हैं जो 468 जोड़ी रेलगाड़ियों को सेवा प्रदान करेंगे। एक स्टेशन एक उत्पाद - यह योजना 1900 स्टेशनों पर लागू है जिसमें 2163 आउटलेट है जो 79,380 स्थानीय कारीगरों को उनके उत्पादों की बिक्री में अवसर प्रदान करके लाभान्वित करते हैं।

यात्री सुविधाऐं - यात्री अनुभव को बढ़ाने के लिए 1351 स्टेशनों पर ट्रेन सूचना बोर्ड लगाए गए हैं, 886 स्टेशनों पर कोच गाइडेंस प्रणाली और 6112 स्टेशनों पर वाई-फाई उपलब्ध कराया गया है। रेलवे में सिग्नल प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए पहल - भारतीय रेलवे अपने विशाल नेटवर्क में परिचालन दक्षता और संरक्षा बढ़ाने के लिए अपनी सिग्नलिंग और संरक्षा प्रणालियों का आधुनिकीकरण कर रही है। कुछ प्रमुख अपडेट निम्नानुसार हैं-

ज़ मैकेनिकल सिग्नल प्रणाली को हटाना - भारतीय रेलवे में मैकेनिकल सिग्नल के स्थान पर इलेक्ट्रिक/ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली लग रही है। वित्त वर्ष 2025 में 62 लंबित स्टेशनों में से 25 को इलेक्ट्रिक/ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली में अपग्रेड किया गया है। 9 जोनल रेलवे अब मैकेनिकल सिग्नल मुक्त हो गए हैं।

कवच - स्वदेशी रूप से विकसित इस ट्रेन सुरक्षा प्रणाली में 1547 करोड रुपए का निवेश नवंबर 2024 तक किया गया है। इसके तकनीकी संस्करण 4.0 को 16 जुलाई 2024 को मंजूरी दी गई है। ज़इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग - वित्त वर्ष 2025 में 227 स्टेशनों पर ईआई (इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग) प्रणाली लगाई गई है। जिसमें कुल 3576 स्टेशनों का कवरेज बढ़ गया है। पहले डायरेक्ट ड्राइव इंटरलॉकिंग प्रणाली नवंबर 2024 में ताजपुर स्टेशन पर शुरू की गई।

ज़ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग - उच्च घनत्व वाले मार्गो पर क्षमता विस्तार के लिए ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली लगाई गई है। इस वित्तीय वर्ष में 720 रूट किलोमीटर पूरे हो गए हैं जिसे कवरेज बढ़कर कुल 4906 किलोमीटर हो गया है।

ज़इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के लिए सिग्नल डिजाइन ऑटोमेशन - यह टूल स्टेशन इंटरलॉकिंग के लिए रूट कंट्रोल चार्ट जनरेशन को स्वचालित करता है। इसका 5.0 संस्करण 19 सितंबर 2024 को जारी किया गया है।

ज़लॉजिस्टिक्स और फिजिकल कनेक्टिविटी आधारित सेवाओं में प्रगति -

भारतीय रेलवे = विकास को पटरी पर बनाए रखते हुए - भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा नेटवर्क है। भारतीय रेलवे पर मूल यात्री यातायात में पिछले वर्ष की तुलना में 8त्न की वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2024 में मालभाड़ा राजस्व आय में 5.2त्न की वृद्धि हुई है।

कुंडलपुर नगरी में हुआ ध्वजदंड रोपण,पंचकल्याणक महोत्सव कल से - आज होगी हर्षवर्धन जैन की सभा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। संस्कारधानी जबलपुर में रविवार 2 फरवरी से श्री महावीर स्वामी दिगंबर जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का 6 दिवसीय अनुष्ठान प्रारंभ होने जा रहा है जिसके लिए कार्यक्रम स्थल राईट टाऊन गोल बाजार में भव्य एवं मनोहारी कुंडलपुर नगरी बनाई गई है।

जहां शुक्रवार को विधि विधान पूर्वक ध्वजदंड रोपण की विधि सम्पन्न हुई ओर विशाल जन समुदाय के बीच ध्वजदंड का रोपण किया गया। जिसका सौभाग्य श्रीमती ज्योति नरेंद्र कुमार जैन परिवार को प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम की प्रथम कड़ी में बड़ा फुआरा स्थित श्री महावीर स्वामी दिगंबर जिनालय में श्री पंच बालयति विधान का आयोजन किया गया जिसमे नगर गौरव पंडित अभयकुमार शास्त्री देवलाली, पं. राजेंद्रकुमार जैन, ब्रह्मचारी श्रेणिक जैन, डॉ. मनोज जैन, विराग शास्त्री, अनुभव मंगलार्थी, अभिनव शास्त्री सहित

बड़ी संख्या में श्रावकगणों ने धर्माराधना की।

विधान के पश्चात सकल समाज मंगलगान के साथ गोल बाजार स्थित कुंडलपुर नगरी पहुंची जहां माता पिता श्रीमती ममता विमल जैन, सौधर्म इंद्र - इंद्राणी श्रीमती सीमा योगेश जैन, महायज्ञ नायक - नायिका श्रीमती श्वेता संजय जैन, कुबेर इंद्र - इंद्राणी श्रीमती सोनल सुनील जैन सहित प्रतिष्ठाचार्य पंडित राजनीभाई दोशी हिम्मतनगर, भूपेंद्र शास्त्री विदिशा, अशोक जैन उज्जैन, मंडल अध्यक्ष अशोक जैन, फेडरेशन अध्यक्ष संजय जैन के साथ महोत्सव समिति उपस्थित रही सभी की उपस्थित में महोत्सव स्थल का शुद्धिकरण सहित अन्य गतिविधियां सम्पन्न कराई गई।

आज होगी हर्षवर्धन जैन की सभा -

महोत्सव के मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन एवं नितिन जैन ने बताया कि महोत्सव की पूर्व बेला पर आज शनिवार 1 फरवरी को रात्रि 7.30 बजे से कुंडलपुर नगरी गोल बाजार में संस्कारधानी वासियों के लिए मोटिवेशनल स्पीकर हर्षवर्धन जैन की विशेष सभा का आयोजन रखा गया है जो कि पूर्णतः निःशुल्क रखी है अतः सम्पूर्ण समाज इसका लाभ ले सकती है।

कल रविवार 2 फरवरी से सकल जैन समाज की उपस्थित में महामहोत्सव का भव्य शुभारंभ होगा जिसमें सकल समाज सहित धर्म प्रेमी बंधुओं से सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने की अपील आयोजक मंडल, वीतराग विज्ञान मंडल एवं जैन युवा फेडरेशन द्वारा की गई है। मंगल महोत्सव को लेकर सकल समाज में अपार उत्साह का वातावरण बना हुआ है सभी को प्रतीक्षा है भारत सहित सम्पूर्ण विश्व से जबलपुर पधार रहे साधर्मियों के शुभागमन की ओर सब मिलकर करेंगे जिनशासन की मंगल प्रभावना।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना कटंगी में देर रात पंकज पारासर उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम जगधर सूखा जिला दमोह ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करता है वह एवं साथ काम करने वाले सिरातुल मंसूरी, सुमित सिंह, सुजान सिंह के साथ मजदूरी करने ग्राम मुर्रई गये थे मजदूरी करने के बाद साधन न मिलने से कटंगी तरफपैदल पैदल आ रहे थे जैसे ही हम लोग राजपूत ढाबा के पास पहुंचे कि जबलपुर तरफसे आ रही मोटर सायकल क्रमांक एमी 20 एम एन 7383 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये रोड़ किनारे पैदल चल रहे

नारकोटिक कन्ट्रोल यूनिट सेल कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन, जबलपुर की सूचना पर थाना कुण्डम पुलिस की कार्यवाही

मादक पदार्थ गांजा की तस्करी में लिप्त 4 आरोपी गिरफ्तार

52 किलो 337 ग्राम गांजा कीमती लगभग 10 लाख 50 हजार रूपये का तथा एक्सयूव्ही एंव मारूति रिट्ज कार जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नारकोटिक कन्ट्रोल यूनिट सेल, कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन, जबलपुर से सूचना मिली कि एक्सयू व्ही क्रमांक यूपी 16 ए एफ7910 में 2 व्यक्ति हैं जिसमे से एक का कद लम्बा ब्लू शर्ट एवं एक जैकेट पहने है तथा मारूती रिट्ज गाड़ी क्रमांक सीजी 04 एससी 5049 में एक युवक जर्शी एवं एक टीशर्ट पहना है दोनों गाड़ियां सट के आगे पीछे एक साथ चल रही है चारों लोग चार पहिया एक्स यू व्ही तथा मारूती रिट्ज में मादक पदार्थ गांजा लेकर शहपुरा तरफसे कुंडम होते हुये जबलपुर जा रहे हैं। सूचना पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये थाना प्रभारी कुण्डम श्री अनूप कुमार नामदेव के नेतृत्व में थाने के पास मेन रोड में नाकाबंदी कर वाहनों कों रोक कर चैक करते समय मुखबिर के बताये अनुसार चार पहिया एक्सयूव्ही क्रमांक यूपी 16 एफए 7910 तथा मारूती रिट्ज क्रमांक सीजी 04 एस सी 5049 शहपुरा रोड़ से आते दिखी जिसे अभिनंदन ढाबा के पास रोकने प्रयास किया गया, दोनो कार चालक पुलिस को देखकर तेज भागने का प्रयास करने लगे, घेराबंदी कर दोनों कारों को एक साथ रोका गया एक्सयूव्ही क्रमांक यूपी 16 एफए 7910 में 1 व्यक्ति, 1 युवक तथा रिट्ज कार क्रमांक सीजी 04 एस सी 5049 में 2 युवक बैठे थे चारों लोगों से नाम पता पूछा गया एक्स यू व्ही क्रमांक यूपी 16 एफ ए 7910 मे दोनों ने अपने नाम विवेक उर्फ विक्की सोनवानी उम्र 22 वर्ष वायरलेस कालोनी थाना तारबहार जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़, हबीब खान उम्र 32 वर्ष तालापारा घोड़ादाना स्कूल के पास सिविल लाईन जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ एंव रिट्ज कार में बैठे युवकों ने अपने नाम बजरंग कश्यप उर्फ आदित्य उम्र 24 वर्ष निवासी टिकरापारा पीडी कालेज के पास थाना कोतवाली जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ एवं शेख मुस्तफा उर्फ मोनू उम्र 25 वर्ष अशोकनगर सरकंडा डीएलएस स्कूल के आगे थाना सरकण्डा जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ बताये संदेहियों को सूचना से अवगत कराते हुये तलाशी लेने एक्सयूव्ही कार के चारों दरवाजों तथा कार के नीचे बाक्स में 37 पैकेट में मादक पदार्थ गांजा तथा रिटज कार क्रमांक सीजी 04 एससी 5049 के चारों दरवाजों एवं कार के नीचे 15 पैकेट में मादक पदार्थ गांजा रखा मिला जिसकी तोल करने पर कुल 52 किलो 337 ग्राम मादक पदार्थ गांजा कीमती लगभग 10 लाख 50 हजार होना पाया उक्त गांजा तथा रिट्ज कार क्रमांक सीजी 04 एससी 5049 एवं एक्सयूव्ही वाहन क्रमांक यूपी 16 एफ ए 7910 जप्त करते हुये धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये उक्त गांजा कहॉ से प्राप्त किया एंव कहॉ लेकर जा रहे थे के सम्बंध मे पूछताछ की जा रही है।

उल्लेखनीय भूमिका-नारकोटिक कन्ट्रोल यूनिट सेल कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन, जबलपुर में पदस्थ उप निरीक्षक प्रिंसी साहू, आरक्षक प्रीतम मार्को, उपेन्द्र गौतम, भास्कर सतनामी की सूचना पर आरोपियों को मादक पदार्थ गांजे के साथ रंगे हाथ पकड़ने में थाना प्रभारी कुण्डम श्री अनूप कुमार नामदेव के नेतृत्व में थाना कुण्डम के उप निरीक्षक हरिलाल उर्वे, प्रधान आरक्षक संतोष परस्ते, रविकांत श्रीवास, भूपत पटेल, आरक्षक सरोज यादव, तरूण, वीरेन्द्र उईके, आदित्य, भरत, जय प्रकाश, सैनिक प्रीतम, राजू, की सराहनीय भूमिका रही।

अवैध शराब के कारोबार मे लिप्त आरोपी गिरफ्तार, 5 लीटर जहरली कच्ची शराब जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना विजयनगर मे देर रात मुखबिर से सूचना मिली कि विनय डेरी के पास लाल रंग की जेकेट नीले रंग का लोवर पहने एक व्यक्ति प्लास्टिक की कुप्पी मे अवैध रूप से कच्ची शराब बेचने के लिये रखा है

सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहां मुखबिर के बताये हुलिये का व्यक्ति हाथ मे थैला में प्लास्टिक की कुप्पी लिये दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया नाम पता पूछने पर अपना नाम उत्तम उर्फ बग्घा गोंड़ उम्र 45 वर्ष निवासी कुईमाल उपर टोला थाना टिकरिया जिला मंडला वर्तमान पता साई अस्पताल के पीछे विजयनगर बताया जो थैले के अंदर कुप्पी मे 5 लीटर कच्ची शराब रखे मिला जिसमें तीक्ष्ण गंध आ रही थी उक्त शराब के सेवन करने से मानव जीवन को संकट उत्पन्न हो सकता है जिसे जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध धारा 34(1), 49 ए आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 1 आरोपी गिरफ्तार, 330 पाव देशी शराब जप्त

थाना प्रभारी शहपुरा श्री जितेन्द्र पाटकर ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली प्राप्त हुयी कि रीतेश ठाकुर छपरट एवं मालकछार में बीच नहर की पुलिया के पास अवैध रूप से भारी मात्रा में शराब अपने कब्जे में रखे बेचने की फिराक में खड़ा है सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी छपरट एवं मालकछार के बीच नहर की पुलिया के पास खैरी मोहल्ला निवासी रीतेश ठाकुर 2 बोरियॉ रखे खड़ा दिखा जो पुलिस को देखकर बोरियॉ छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने मे सफल हो गया तलाशी लेने पर दोनों बोरियों में कुल 330 पाव देशी शराब कीमती लगभग 33 हजार रूपये की रखी मिली जिसे जप्त करते हुये धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

उल्लेखनीय भूमिका- अवैध शराब के कारोबार मे लिप्त आरोपी को पकड़ने मे सहायक उप निरीक्षक दिनेश सिंह राजपूत, आरक्षक विजय बरकड़े की सराहनीय भूमिका रही।

अकाल मृत्यु

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गोराबजार में रविन्द्र कुमार मार्को उम्र 31 वर्ष निवासी जनता स्कूल के पास बिलहरी ने सूचना दी कि दिनांक 30-1-25 को अपने परिवार सहित एक कमरे मे सो गया था उसकी पत्नी सरस्वती मार्को उम्र 30 वर्ष दूसरे कमरे में थी आज सुबह लगभग 3 बजे वह उठा देखा कि उसकी पत्नी सरस्वती गोंड़ घर के कमरे मे लगे पंखे से रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच मे लिया गया।

घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग करते आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना सिविल लाईन में दौरान भ्रमण के प्लेट फार्म नम्बर 6 के बाहर मालगोदाम चौक मे रोड किनारे एक व्यक्ति घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग कर खाना का ठेला लगाया है जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम विजय उर्फअज्जू चौधरी उम्र 40 वर्ष निवासी झंडा चौक घमापुर बताया जो ठेले में भारत कम्पनी के गैस सिलेण्डर से पुड़ी सब्जी बनाकर आम ग्राहकों केा बेच कर लाभ अर्जित करते मिला । भारत कम्पनी का एक घरेलू गैस सिलेण्डर, लोहे की 2 चूल्हे वाली भट्टी जिसमें अमानक पाईप एवं अमानक रेग्युलेटर लगा है जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध धारा 49 बीनएस तथा 3, 7 ईसी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

युवक फायर आर्म्स सहित पकड़ा गया, 1 पिस्टल एवं 1 कारतूस जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी अधारताल श्री राजकुमार खटीक ने बताया कि दिनांक 30-1-25 को क्राईम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक महाराजपुर मैदान में पिस्टल लिये घूम रहा है कोई घटना करने की फिराक में है सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई महाराजपुर मैदान में मुखबिर के बताये हुलिये का युवक खड़ा दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया जिसने नाम पता पूछने पर अपना नाम दीपक राय उम्र 27 वर्ष निवासी परसराम स्कूल के पास महाराजपुर अधारताल बताया जो तलाशी लेने पर पहनी हुयीं पेंट के दाहिने जेब में एक पिस्टल रखे मिला जिसकी मैगजीन में एक कारतूस लोड होना पाया गया। आरोपी के कब्जे से पिस्टल एवं कारतूस जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

उल्लेखनीय भूमिका- आरोपी को फायर आर्म्स के साथ पकडने में सहायक उप निरीक्षक नरोत्तम कौरव, प्रधान आरक्षक बृजेन्द्र लोखण्डे, थाना प्रभारी अपराध श्री शैलेष मिश्रा के निर्देशन में क्राईम ब्रांच के सहायक उप निरीक्षक मोहन तिवारी, प्रधान आरक्षक हितेन्द्र, मोहन थापा की सराहनीय भूमिका रही।

जबलपुर में स्कूल संचालकों की हड़ताल, बोर्ड के नए मान्यता नियमों में बदलाव की मांग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। एमपी के माध्यमिक शिक्षा मंडल से मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों की मान्यता को लेकर शासन द्वारा नए नियम जारी किए गए है. नए नियमों के विरोध में निजी स्कूल संचालकों ने एक दिवसीय हड़ताल की. प्रदर्शन कर रहे स्कूल संचालकों ने टाउन हॉल में धरना देकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए दो दिन में कार्यवाही की मांग की.

निजी स्कूल एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार नए नियमों में रजिस्टर्ड किरायानामा की अनिवार्यता सबसे बड़ी चुनौती है. शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर नजूल एवं शासकीय भूमि पर यह प्रावधान लागू करना असंभव है. एसोसिएशन की मांग है कि पुराने नियम के तहत नोटरीकृत किरायानामा को मान्य किया जाए.

स्कूल संचालकों का कहना है कि मान्यता के लिए निर्धारित एफडी व नवीनीकरण शुल्क छोटे विद्यालयों के लिए वहन करना मुश्किल है. साथ ही बीएड व डीएड/डीएलएड शिक्षकों की भर्ती नियमों में भी संशोधन की मांग की गई है. जिससे शिक्षकों को बेरोजगारी से बचाया जा सके. एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार नए नियम लागू होने से प्रदेश के 40000 निजी स्कूल बंद होने का खतरा है(जिससे लाखों शिक्षक बेरोजगार हो सकते हैं. साढ़े दस लाख से अधिक विद्यार्थियों की शिक्षा प्रभावित होगी. संचालकों ने निशुल्क बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 को ध्यान में रखते हुए नियमों में उचित संशोधन की मांग की है.

शैक्षणिक योग्यता एवं पति का नाम निगम अभिलेख में दर्ज कराने हेतु आमसूचना

मैं पूजा बर्मन, पिता धीरेन्द्र कुमार, निवासी-1829, नर्मदा स्कूल के पास, शारदा नगर, पाटन रोड, करमेता जबलपुर म.प्र., नगर निगम अभिलेख में मेरी शैक्षणिक योग्यता बी.कॉम दर्ज है, जबकि मेरे द्वारा सन् 2016-17 में एम.एस.सी. (सी.एस.) उत्तीर्ण कर लिया गया है। व मेरी शादी के पूर्व निगम अभिलेख में मेरे पिता धीरेन्द्र कुमार दर्ज है, जिसे बदल कर मैं शादी के बाद अपने पति का नाम श्री ऋषभ यादव कराना चाहती हूँ।

अत: महोदय जी से निवेदन है कि निगम अभिलेख में मेरी शैक्षिणक योग्यता व पति का नाम दर्ज करने की कृपा करें।

आवेदिका

पूर्व नाम- पूजा बर्मन, पिता- धीरेन्द्र कुमार,
पतिवर्तित नाम- श्रीमती पूजा बर्मन,
पति- श्री ऋषभ यादव

60 वर्षिय वृद्ध महिला से घर के लोगों की परेशानी बताकर जेवर उतरवाकर धोखाधड़ी कर फरार हुये 2 आरोपियों की तलाश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी कोतवाली श्री विपिन ताम्रकार ने बताया कि श्रीमती चंद्रकला जैन उम्र 60 वर्ष निवासी पानी की टंकी के पीछे कोतवाली ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि घरेलू कार्य करती है। रोज की तरह आज अपने घर से राजा रसगुल्ला होते हुये हनुमानताल की ओर जा रही थी, जैसे ही लगभग 10-45 से 11 बजे के बीच राजा रसगुल्ला के पीछे ब्रजरतन ज्वेलर्स के सामने पहुंची तो एक व्यक्ति पीछे से आवाज लगाया बेटी-बेटी सुनो तो वह वहीं रूक गयी , उक्त व्यक्ति उसके पास आया और बोला मुझे चश्मा बनवाना है यहां आंख का हास्पिटल कहां है तो उसने कहा अशोक चश्मे वाला वो आगे चश्मे बनाता है फिर वह बोला हम हरीद्वार से आये है

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-08,भानतलैया नगर निगम जबलपुर

क्रं.सं.अधि/08/भान./2024-25/.... दिनांक- 28.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती सरोज जैन, पति- प्रमोद कुमार जैन** ने भवन/क्रमांक 813/1 **वार्ड हनुमानताल वार्ड,** क्षेत्रफल 531 व.फु., भूतल 531 व.फु. आर.सी.सी. , **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. 813/1 पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-08 भानतलैया** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-08 भानतलैया
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 365 दिनांक 31.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती उषा खन्ना, पति- स्व. श्री धनेश खन्ना** ने मकान नं. 2365/3 , सम्पत्ति पिन नं. 1000496666 **वार्ड मदन महल-15 वार्ड ,** भूतल 1100 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 364 दिनांक 31.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती राजश्री खरे, पति- श्री कुलदीप खरे** ने मकान नं. प्लाट नं. 28 , सम्पत्ति पिन नं. 1000626335 का भाग **वार्ड कमला नेहरू वार्ड ,** क्षेत्रफल 994.67 व.फु., भूतल 540 व.फु., **बटवारानामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 363 दिनांक 31.01.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **1. श्रीमती प्रीति शरण, पति- स्व. श्री अम्बिका शरण, 2.पुत्र तुषार शरण, 3. पुत्री रिद्धी शरण, दोनों के पिता स्व.श्री अम्बिका शरण** ने मकान नं. 2043/10 , सम्पत्ति पिन नं. 1000495635 **वार्ड मदन महल-15 वार्ड ,** भूतल 437 व.फु., प्रथमतल 360 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2024-25/ एम/276 जबलपुर दिनांक 31.01.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती दीपमाला केशरवानी, पति- श्री आशीष केशरवानी** ने मकान नं. प्लाट नं. 139 **वार्ड राजीव गांधी** पिन नं. 1000347079, क्षेत्रफल 1500 व.फु., भूतल 1500 व.फु., प्रथमतल 1500 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2024-25/ एम/275 जबलपुर दिनांक 31.01.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री आशीष केशरवानी, पिता- श्री विजय केशरवानी** ने मकान नं. पी.नं. 340 **वार्ड राजीव गांधी** पिन नं. 2000294488, क्षेत्रफल 750 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2024-25/ एम/274 जबलपुर दिनांक 31.01.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री दीपक गुप्ता, पिता- श्री शिव कुमार गुप्ता** ने खसरा नं. 277/9 **वार्ड डॉ. राजेन्द्र प्रसाद** पिन नं. 1000412395, क्षेत्रफल 4537 व.फु., **तबादला नाम रजिस्ट्रार्ड** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2024-25/ एम/273 जबलपुर दिनांक 31.01.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती रईसा बानो, पति- श्री रियाज अहमद** ने मकान नं. 490 **वार्ड पं. गोविन्द बल्लभ पंत** पिन नं. 1000705315, क्षेत्रफल 848 व.फु., भूतल 320 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2024-25/ एम/272 जबलपुर दिनांक 31.01.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री राज गोपाल जायसवाल, पिता- श्री तुलसीराम जायसवाल** ने मकान नं. 1649 **वार्ड डॉ. राजेन्द्र प्रसाद** पिन नं. 1000409758, क्षेत्रफल 383 व.फु., भूतल 331 व.फु., प्रथमतल 331 व.फु., द्वितीयतल 100 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/284 2024-25 दिनांक 30/01/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. 1000509621 में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री खेम जी लालन** के स्थान पर आवेदक **श्रीमती लक्ष्मी खीम जी लालन, पति- स्व. श्री खीम जी एच. लालन,** ने **मकान नं. 2439 वार्ड क्र.-12,..... वार्ड,** भूतल 1254 व.फु., प्रथमतल 756 व.फु., **दस्तावेज- मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथपत्र, सहमति पत्र, टेक्स रसीदों** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-04
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/283 2024-25 दिनांक 30/01/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. 1004561489 में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री दिलीप कुमार जैन, पिता- कपूर चंद जैन** के स्थान पर आवेदक **श्री डॉ. कार्तिक ब्यौहार, पिता श्री डॉ. अनिल ब्यौहार,** ने **मकान नं. 1316/1 का भाग, ब्लाक-सी, फ्लेट नं.801 वार्ड क्र.-13,..... वार्ड,** आठवां तल 1184 व.फु., **दस्तावेज- पंजीकृत विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-04
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/282 2024-25 दिनांक 30/01/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. 1003045776 में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री कल्याणिका प्रोमोटर्स एण्ड डेव्लपर्स प्रा. लि.,** के स्थान पर आवेदक **श्री प्रतीक सावला, पिता- श्री किरिट सावला** ने **मकान नं. 1316/1 का भाग, ब्लाक-सी, फ्लेट नं.1101 वार्ड क्र.-13,..... वार्ड,** ग्यारहवां तल 1184 व.फु., **दस्तावेज- पंजीकृत विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-04
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/280 2024-25 दिनांक 30/01/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. 10004337988 में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री मयंक हुड्डा, पिता- श्री जितेन्द्र कुमार हुड्डा,** के स्थान पर आवेदक **श्रीमती सुनीता सेन, पति- श्री हरीनारायण सेन** ने **मकान नं. 863/ डी-02 नीखरा चक्की रोड आमनपुर वार्ड क्र.-14,..... वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 960 व.फु., भूतल 800 व.फु., प्रथमतल 800 व.फु., **दस्तावेज- विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-04
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/279 2024-25 दिनांक 30/01/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. 1000506145 में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री सी.बी. कुलसेजा** के स्थान पर आवेदक **श्रीमती गोमती बाई यादव, पति- श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव एवं श्रीमती मधु तिवारी, पति- श्री राजेश तिवारी** ने **मकान नं. 1737/18 वार्ड क्र.-14, ... वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 803 व.फु., भूतल 753 व.फु., प्रथमतल 753 व.फु., **दस्तावेज- विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-04
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/278 2024-25 दिनांक 30/01/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. 1000508587 में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री लेखराम पटेल,पिता- स्व.श्री झाई लाल पटेल** के स्थान पर आवेदक **श्रीमती चैतालीदास, पति श्री अजीत दास** ने **मकान नं.1957 वार्ड क्र.-....., जार्ज डिसिल्वा वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 474.9 व.फु., भूतल 474.9 व.फु., प्रथमतल 474.9 व.फु., **दस्तावेज- विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-04
नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 साठियां कुआं जबलपुर से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। मो.नं. 9300696096, भोपाल 9425025999